पिरामिडक देश मे

योगेन्द्र पाठक 'वियोगी'

हमरा सबहिक सनातन धर्म दर्शनक अनुसार मनुष्य योनि मे जन्म लेनिहारक सबसँ पैघ इच्छा रहैत छैक पुनर्जन्मक चक्र सँ छुट्टी भेटब आ मोक्षक प्राप्ति जाहि मे मनुष्य वैकुण्ठलोक पहुँचि जाइत अछि। विभिन्न शास्त्र पुराणक अनुसार मोक्ष प्राप्त भेला सँ पहिने लोक निरन्तर जन्म लैत रहैत अछि। अगिला जन्म मे कोन योनि मे जन्म लेत से ओकर कर्मक फल पर निर्भर करैत छैक।

ओना तऽ ई कहब कठिन छैक जे कोन तरहक कर्म केला सँ लोक मोक्ष प्राप्त करैत अछि आ यदि ककरो मोक्ष भेटियो जाइत छैक तऽ ओकर की परिचय अथवा चिन्ह होइत छैक मुदा मानि लेल जाइत छैक जे कोनो बहुत धर्मात्मा व्यक्ति कें एहि तरहक गति भेटैत हेतनि। जे किछु होइ, मुदा मृत्युक बाद एहि पार्थिव शरीर कें सनातन धर्म मे कोनो महत्व नहि छैक तें एकरा आगि मे जरा देल जाइत छैक।

आब सोचियौक यदि मोक्षक बदला अपने कें कहल जाए जे बहुत नीक कर्मक फल सँ अपने फेर अगिला जन्म मे कहियो ओही शरीर मे आबि जाएब, तखन कोन तरहक तैयारी करबैक ? शरीर कें बचा कए राखब तखन जरूरी भऽ जेतैक ने। एहि पार्थिव शरीर कें बचा कए राखब कतेक कठिनाह हेतैक ? ठंढा प्रदेश मे किछु बेसी दिन तक तऽ सुरक्षित राखलो जा सकैत छैक मुदा गर्म जलवायुक प्रदेश मे तऽ मुश्किले। देखिते छिऐक जे किछुए घंटा मे मृतक के शरीर अकड़ि जाइत छैक आ एकाध दिनक बाद ओकर क्षय शुरु भऽ जाइत छैक, ओहि सँ दुर्गन्ध बहराए लगैत छैक।

प्राचीन मिस्त्र मे एहि तरहक मान्यता छलैक जे नीक काज केला सँ राजा मृत्युक बाद फेर कहियो ओही शरीर मे प्रवेश करैत जन्म लेताह। तें खास कऽ कए राजपरिवारक बीच एहि लेल प्रयास कएले गेलैक आ ओहि समाज मे शरीर कें सुरक्षित रखबाक फर्मूला ताकि लेल गेल। सुरक्षित शव कें, जकरा 'ममी' कहल गेलैक, कएक तह के ताबूत मे बन्द कऽ कए विशेष कक्ष मे राखल जाइत छलैक जकरा उपर पैघ पाथर राखि देल जाइत छलैक जे कोनो तरहें यदि कनियो दुर्गंध निकलबो करतै तऽ सियार कुकुर आदि कें ओहि शव तक गेल नहि होइक। एहि पाथर कें मस्तबा कहल जाइत छलैक।

अफ्रिका मे जीवनदायिनी नील नदीक कछेर मे विकसित मिस्त्र देशक सभ्यता प्राचीन तऽ छैके, कतेको हिसाबें प्राचीनतम सभ्यता सब मे अद्वितीय सेहो। ओतुका पिरामिड संसारक सात आश्चर्य मे एक मानल जाइत रहलैक अछि। मिस्त्रक सभ्यताक बारे मे बच्चा मे इतिहास मे जे पढ़ने छलहुँ ताहि सँ ओतए जाकए देखबाक इच्छा तऽ छलेहे, हाल मे इंटरनेट पर अनेको सामग्री उपलब्ध भेला सँ मिस्त्र भ्रमणक उत्सुकता बढ़िते गेल।

भ्रमण लेल हम पहिने अपन विश्वासी ट्रैवल एजेंट बंगलोरक वियोन्डर सँ सम्पर्क कएल। वियोन्डरक टीम मे श्रीनिवास सेनॉय मिस्त्रक विशेषज्ञ छथि आ मिस्त्र टूर पर कतेको ब्लॉग लिखने छथि। मुदा छोट संस्था रहलाक कारणें ओ कम्पनी हमरा लेल कोनो एहन टूर ग्रुपक जोगार नहि कऽ सकल जे सुविधाजनक होअए। अन्त मे श्रीनिवास अपनहि सुझाव देलनि जे हम थोमस कूक टूर कम्पनीक मिस्त्र पैकेज मे यात्रा करी।

टूर पर जेबा सँ पहिने श्रीनिवास हमरा मिस्त्रक दर्शनीय स्थल, इतिहास, आदिक बहुत जानकारी देलनि। ओएह बतौलनि जे एकटा प्रख्यात अमेरिकन ईजिप्टोलॉजिस्ट श्रीमान बॉब ब्रॉयर अठतालीस लेक्चर के एकटा ऑडियो बुक बनौने छथि, ओहि ऑडियोबुक कें फोकटे मे कोना डाउनलोड कएल जा सकैत छैक। हम सेहो कएल। बॉब ब्रायर लिखित ओही

ऑडियोबुक के संक्षिप्त रूपरेखा के एकटा पीडीएफ सेहो इंटरनेट पर भेटि गेल। एहि स्रोत सबसँ मिस्त्रक प्राचीन सभ्यताक आधुनिक ज्ञान सँ परिचित भेलहुँ।

श्रीनिवास थोमस कूक के पैकेज मे दूटा परिवर्तन सेहो करौलनि – दोसर दिनक एलेक्जेन्ड्रिया टूरक बदला गीजाक आसपास के सकारा आ दहसुर नामक जगह, जतए प्राचीनतम पिरामिड छैक। सकारा मे तऽ बहुते किछु छैक जे हम आगू लिखब। दोसर परिवर्तन छल टूर कें एक दिन बढ़ा कए लक्जर के आसपास डेन्डारा आ आबीदोस मे प्राचीन मंदिर सब देखब। यद्यपि एहि लेल हमरा अतिरिक्त खर्चा लागल मुदा एहि लेख कें अन्त तक पढ़लाक बाद अपने कें विश्वास भैये जाएत जे ओ अतिरिक्त खर्चा बहुत उपयोगी छल आ हम कहि सकैत छी जे ओकरा बिना टूर किछु हिसाबें अपूर्ण रहि जइतए।

थोमस कूक के सात-राति-आठ-दिनक पैकेज मे तीन दिन राजधानी काहिराक उपनगर गीजा मे पाँच सितारा होटल मे रहबाक, तकर बाद तीन राति नील नदी पर ओहने बहुत नीक जहाज पर रहबाक आ अन्तिम राति लक्जर शहर मे फेर पाँच सितारा होटल मे रहबाक व्यवस्था छलैक। खर्चाक चर्चा हम एतए नहि करैत छी कारण एहि मे करीब आधा भाग विदेशी मुद्रा के छैक आ ओकर विनिमय दर बदलैत रहैत छैक।

कहबा लेल मिस्त्रक टूर बारहो मास चलैत छैक मुदा नीक समय नवम्बर सँ फरवरिए तक रहैत छैक। तकर बाद गर्मी। हमर टूर 17 सँ 24 सितम्बर 2019 तक छल। माने भेल 17 सितम्बर कें पहुँचनाइ आ 24 कें भोरे बिदा भऽ गेनाइ। एकरे कहल जाइत छैक सात-राति-आठ-दिनक (7N8D) पैकेज।

बिदा हेबाक तिथि सँ मात्र चारि दिन पहिने टिकट आ मेडिकल इन्स्योरेन्स पेपरक संग सातो राति लेल होटल के नाम, यात्राक एडवाइजरी आदि सब किछु थोमस कूक ईमेल सँ पठा देलक - सबटा सॉफ्ट कॉपी। प्रिंट अहाँक काज छी लेबाक होअए तऽ लीअए नहि तऽ सॉफ्ट कॉपी सँ काज चलाउ। ओना एडवाइजरी मे कहल गेल छल जे प्रिंट जरूरे लऽ लेब। उचिते, कारण यदि कतहु मोबाइल हरा गेल अथवा भंगठा गेल तखन सॉफ्ट कॉपी कतए सँ आओत ? जे किछु, एक प्रति सब चीजक प्रिंट लऽ कए रखलहुँ।

हमरा 16 सितम्बर कें साँझ मे कलकत्ता सँ मुम्बइ जेबाक छल, ओतए छओ घंटाक प्रतीक्षाक बाद 17 सितम्बर कें तीन बजे भोर मे ईजिप्ट एयर सँ काहिराक यात्रा। कहल गेल जे काहिरा एयरपोर्ट पर टूर मैनेजर प्रतीक्षा करैत रहताह। ओतहि ग्रुपक अन्य सदस्य सब सँ भेंट होएत।

सबेरे स्थानीय समय ठीक साढ़े पाँच बजे हम सब काहिरा एयरपोर्ट पर उतरि गेलहुँ। आश्चर्य लगैत छल जे एतेक सबेरे पहुँचलाक अछैतो थोमस कूक आजुक भरि दिनक कोनो कार्यक्रम नहि रखने छल। अस्तु, हवाइ जहाज सँ बहराइते थोमस कुक के एकटा स्थानीय प्रतिनिधि अपन बैनर लेने भेटला, कहलनि, चलू चेकइन लगेज लेबाक बेल्ट लग सब गोटे प्रतीक्षा करू।

एतए गोटागोटी ग्रुपक किछु सदस्य सँ भेंट होइत गेल। सबकें एकत्रित करबा मे कने समय तऽ लागिए गेलैक। अन्त मे करीब साढ़े सात बजे हम सब बाहर निकलि बस मे सबार भेलहुँ। एखन मात्र अठारह गोटे ग्रुप मे छलहुँ। एतए बस मे थोमस कूकक भारतीय टूर मैनेजर पहिल बेर उपस्थित भेलाह, ओ अपन परिचय देलनि इन्द्रजित देशमुख नाम सँ। बर बेस, आगू बिदा भेलहुँ। हमरा सबहिक होटल काहिरा शहरक उपनगर गीजा मे छल आ प्रसिद्ध पिरामिड सँ मात्र एकाध किलोमीटर के दूरी पर। मुदा एयरपोर्ट सँ बेस दूर। रस्ता मे एकठाम बस ठाढ़ कऽ कए यात्री लेल जलपान लेल गेल। एहि मे सैंडविच सदृश एक प्रकारक स्थानीय स्टफ्ड ब्रेड, जकरा फलाफेल कहल जाइत छलैक,

के दू पीस आ किछु फल, लतामक जूसक डिब्बा आदि छलैक। एकर अतिरिक्त पीबाक लेल डेढ़ लीटरक जलक बोतल सेहो देल गेल। हमरा सबकें बुझा देल गेल जे आजुक दिन भरिक लेल जलपान आ लंच सब किछु इएह भेल।

करीब डेढ़ घंटाक बाद होटल पहुँचलहुँ। होटल नाम गुण पाँच सितारा बला छलैक। बेस पैघ लॉबी। हमरा सब एतेक पैघ लॉबी मे जेना हरा गेलहुँ। एतए रूम भेटबा मे मुदा बेस देरी लागल। तकर कारण जे साधारणतः एतेक सबेरे रूम सब तैयार नहि रहैत छैक। मिस्त्र मे होटलक चेकइन समय दुपहरिया मे दू बजे छैक। इन्द्रजित हमरा सबहिक पासपोर्ट आ रिटर्न टिकटक छापल प्रति जमा केलनि आ एकटा होटल स्टाफक संग लगला रूम दिएबाक तैयारी मे। लोक कें फ्री वाइफाइ होटल मे प्रवेश करिते भेटि गेल छलैक तें सोचिये सकैत छिऐक सब अपन अपन मोबाइल फोन पर व्यस्त भऽ गेल। रूम भेटबाक ओतेक हड़बड़ी आब नहि छलैक। आइ बीस साल पहिने लोक कें प्रतीक्षा अखरितैक, लॉबी मे लोक टहलैत रहैत, मात्र किछु स्थानीय अखबार अथवा कोनो मैगजीनक पन्ना उनटबैत रहैत मुदा आब ई मोबाइल आ वाइफाइ सब व्यवहार कें बदलि देलक। कोनो शिकाएत नहि। स्थानीय मुद्रा लेल होटलक लॉबीए मे एटीएम मसीन छलैक। लोक सब अपना आवश्यकताक हिसाबें डॉलर भजा कए मिस्त्रक ईजिप्सियन पौंड लैत गेल। हमहूँ एक सौ डॉलर के ईजिप्सियन पौंड लेल। इन्द्रजित बुझा देने छलाह जे विनिमय दर सबतरि एके छैक।

अस्तु, करीब दस बजे हमरा चाभी देल गेल। बुझा देल गेल जे एखन भरि दिन अपनहि पर छी, जे मोन होअए से करू। साँझ मे साढ़े छओ बजे ग्रुप जाएत 'साउन्ड एन्ड लाइट' शो देखबा लेल। तकर बाद एही होटल मे आबि हम सब अलग सँ भारतीय भोजन करब। माने साढ़े छओ बजे सँ थोमस कूकक जिम्मा मे सब यात्री आबि जेताह।

रूम गेलहुँ, स्नानादि सँ निवृत्त भेलहुँ। तकर बाद पैकेट मे बचल सामान सधा देलियैक। भारतीय समयक अनुसार एखन करीब अढ़ाइ बाजि रहल छलैक तें लंचक बेर तऽ भैए गेल छलैक। आब आगूक दिन खाली छल। होटलक रूम मे बैसि दिन बिताएब अखरि रहल छल। थोमस कूकक प्रोग्रामक हिसाबें पिरामिडक दर्शन तेसर दिन कराओल जाइत। ताहू मे समस्या छल जे पैघ ग्रुप मे रहैत कतेक फैल सँ सब किछु देखि सकब। अपन कम्बोदिया यात्रा मे एकसर टूर करबाक लाभ देखिये लेने छलिऐक। मोन मानैत नहि छल।

नीचा उतरि होटलक ट्रैवेल डेस्क पर पुछारी कएल। कहल गेल जे दू घंटाक लेल कार सँ घुमला पर करीब 600 पौंड लागत। बेसी समय भेला पर प्रति घंटा 200 पौंड अतिरिक्त। बर बेस। हम एकटा गाड़ी कऽ लेलहुँ। ड्राइवर अंग्रेजी बजैत छलाह। ईहो नीके। एखन ओएह हमर गाइड भऽ गेलथि। ओना तऽ ई ड्राइवर महोदय ईजिप्टोलॉजी पढ़निहार कोनो प्रशिक्षित गाइड नहि छलाह मुदा जखन मंडन मिश्रक गामक परिचारिका सब शास्त्र चर्चा कऽ सकैत छलीह तखन ई मिस्त्रवासी ड्राइवर, जे टूरिस्टे सबकें घुमबैत रहल छथि, किएक ने जरूरी ज्ञान रखताह ? से ओ हमरा बहुत किछु बुझबैत गेलाह।

पिरामिड परिसर कें बुझबा लेल मिस्त्रक किछु इतिहास बूझब जरूरी। तखने ईहो बुझबा मे आओत जे टूरिस्ट पिरामिडक भीतर जेबा लेल किएक उत्सुक रहैत छथि आ ओकर की महत्व छैक ? मिस्त्रक इतिहास पर कतेको हजार पोथा सब लिखल गेल छैक आ ईजिप्टोलॉजी एखनहु महत्वपूर्ण शोध विधा छैक जकर अध्ययन चलिते छैक आ पोथा सब लिखाइते छैक। तथापि एहि भ्रमण लेख कें बुझेबा लेल जे लघुरूपक इतिहासक जानकारी चाही से हम लिखैत छी।

विद्वान लोकनि प्राचीन मिस्त्रक इतिहास कें तीन भाग मे बँटैत छथि – प्राचीन साम्राज्य (old kingdom), मध्य साम्राज्य (middle kingdom) आ नवीन साम्राज्य (new kingdom) जे प्रायः ईसा पूर्व 3500 वर्ष सँ शुरू होइत ईसा पूर्व 300 वर्ष तक चलल। एहू तीन साम्राज्यक भीतर अनेक वंश (dynasty) के शासन रहलैक। तकर बाद

तऽ यूनानी शासन आबि गेलैक, सिकन्दर (Alexander) आ हुनक वंशज राज्य करए लगलाह, एलेक्जैन्ड्रिया शहर अस्तित्व मे आएल आ कतेको शताब्दी तक देशक राजधानी सेहो रहल। तकर बाद अबैत गेलाह रोमन साम्राज्यक राजा लोकनि।

मिस्त्रक इतिहास कें बुझबा लेल कने ओकर भूगोल पर सेहो ध्यान देबए पड़त। दक्षिण सँ उत्तर जमीन नीचा ढाल पर छैक, तें नील नदी दक्षिण सँ उत्तर दिस बहैत भूमध्यसागर मे मिलैत छैक। नील नदीक पूब पच्छिम दूनू कात किछु दूर तक, जतेक मे नदीक जल बाढ़िक कारण पसरि जाइत छलैक आ लोक कें जलक सुविधा उपलब्ध रहैत छलैक, एकटा पातर पट्टी जकाँ क्षेत्र मे सभ्यताक उदय भेलैक। सागर मे समाहित हेबा सँ पूर्व नदी कें अनेक भाग मे बँटि गेला सँ ओहि क्षेत्र मे डेल्टा जकाँ बनैत छैक, बस बूझि लिअऽ जहिना गंगा कें समुद्र मे मिलबा काल सुन्दरवनक डेल्टा बनल अछि। ई डेल्टा क्षेत्र तऽ उन्नत कृषिक उपजाउ क्षेत्र रहबे केलै। मिस्त्रक वर्तमान राजधानी काहिरा (Cairo), गीजा प्लेटो, सकारा आदि एही इलाका मे अवस्थित छैक। नील नदीक कछेरक उपजाउ इलाका कें छोड़ि पूब आ पश्चिम दूनू कात विशाल मरुभूमि – अफ्रिकाक नामी सहारा मरुभूमिक अंग। मिस्त्रक दछिनबरिया भाग कें Upper Egypt आ उतरबरिया भाग कें Lower Egypt सेहो कहल जाइत छैक। कबीलाइ साम्राज्यक समय ई दूनू भाग अलग शासन के कब्जा मे छल आ दूनू भाग मे परस्पर युद्ध चलिते रहैत छलैक।

कबीलाइ लोक सब कें एक सूत्र मे बान्हि देश कें सुगठित शासन देब शुरू भेल प्राचीन साम्राज्य सँ जाहि मे राज्यक मुखिया कें फैरो (pharaoh) कहल जाइत छल। शुरुएहि सँ ई बात प्रचारित कएल गेल आ जनता मानि लेलक जे फैरो ईश्वरक अवतार होइत छथि, हुनका मे विशेष दैवी गुण होइत छनि। ई आस्था ओहिना छल जेना आर्यावर्त मे राजा कें इन्द्रक अवतार मानल जाइत छल।

फैरो सब कें महिमा मन्डित करबा लेल पन्डित चाहबे करी से ओतहु भेल। विभिन्न प्राकृतिक घटना सँ सम्बन्धित देवता गढ़ल गेलाह आ हुनका लोकनिक अर्चना आरम्भ भेल। एहि मे मुख्य छल सूर्यक तीन रूप मे देवता – भिनसर के बालरविक रूप, मध्यान्हक तेज रवि आ अस्त होइत समयक निश्तेज रवि। एकर अतिरिक्त जाहि जीवजन्तु सँ लोक कें भय भेलैक ओकरो देवताक मान्यता भेटलैक, तहिना जकरा बहुत उपयोगी बूझल गेल तकरो दैवीय पद भेटलैक। एहि सबहक चर्चा हम बाद मे करब।

सब साम्राज्य मे नील नदीक पुबरिया भाग आ पछबरिया भागक महत्व अलग रहलैक। पूब मे जेना कि सूर्योदय होइत छैक, एहि भाग कें उगैत जिनगीक रूप बूझल गेल। एकर विपरीत पच्छिम मे सूर्य अस्त होइत रहलाह तें एहि भागक जमीन कें सेहो जिनगीक अस्तक रूप बूझल गेल। तें सब वंश मे जतेक समाधि, पिरामिड आदि बनल से सब नदीक पछबरिया भाग मे। गीजा प्लेटो सेहो नील नदीक पछबरिया भाग मे अवस्थित अछि। तहिना सबटा पिरामिड। गीजाक तीनटा मुख्य पिरामिड प्राचीन साम्राज्यक चारिम वंश (Fourth Dynasty), जकर समय ईसापूर्व 2575 सँ 2465 तक मानल जाइत छैक, के दोसर फैरो (सम्राट) खुफु, हुनक पुत्र आ चारिम फैरो खाफ्रे आ हुनक पौत्र आ पाँचम फैरो मेनकौरे द्वारा बनाओल गेल छलैक। प्रथा छलैक जे फैरो सब अपनहि शासन काल मे अपन मृत्युस्थलक चुनाव कऽ कए पिरामिड आ मोर्च्यूअरी टेम्पल बना लैत छलाह जाहि सँ हुनका मरलाक बाद शरीर कें ममी बना कए ओहि मे राखल जा सकए।

एतुका तीनटा पिरामिड मे खुफुक पिरामिड सबसँ पैघ अछि। एकर आधार करीब 230 मीटर आ मूल ऊँचाइ 146 मीटर अछि। तहिना खाफ्रेक पिरामिडक आधार 216 मीटर आ उँचाइ 143 मीटर छलैक। मेनकौरेक पिरामिडक आधार 109 मीटर आ उँचाइ 66 मीटर छलैक। खुफुक पिरामिड कें ग्रेट पिरामिड कहल जाइत छैक।

मिस्त्रक इतिहास मे एकटा आर महत्वपूर्ण घटना छलैक करीब दू हजार साल पहिने भेल विध्वंसकारी भूकम्प। एहि दुर्घटना मे बहुत रास स्मारक नष्ट भऽ गेलैक आ पिरामिड सब सेहो धँसि गेलैक। तें वर्तमान मे ग्रेट पिरामिडक ऊँचाइ मात्र 139 मीटर रहि गेलैक अछि। भूकम्पक प्रभावक वर्णन एहि यात्रा कथा मे आगू बहुत ठाम भेटत।

प्राचीन मिस्त्र मे देवाल पर चित्र बनाएब आ पापीरस पर चित्र आ अक्षर लीखब ईशापूर्व करीब 3500 वर्ष पहिनहि शुरू भऽ गेल छलैक। एहि लिखावट कें हाइरोग्लिफ कहल गेलैक। प्रायः एही समय आर्यावर्त मे सेहो सिन्धु घाटी सभ्यताक उदय भेल आ हरप्पा आदि जगह मे लिखावट शुरू भेल होएत। भाग्यशाली रहल मिस्त्रक समाज जे एहि प्राचीन लिखावट कें पढ़बाक कुंजी उनैसम शताब्दी मे भेटि गेलैक आ प्राचीन मिस्त्रक सम्पूर्ण इतिहास आधुनिक विश्व मे जगमगा गेलैक। एकर विपरीत हमरा लोकनि हरप्पाक लिपि एखनहु पर्यन्त पढ़ि नहि सकलहुँ, ओ कुंजी हरा गेल अछि अथवा बनाओले नहि गेलैक। कतेक विरोधाभास जे खजूर खेबाक लूरि लोक मोन पाड़ने रहल आ आम खेबाक लूरि बिसरि गेल !

ओना तऽ एयरपोर्ट सँ गीजा अबैत आ होटल पहुँचैते विशाल पिरामिडक दर्शन लोक कें होमए लगैत छैक मुदा परिसरक भीतर नजदीक गेला पर विश्वक एहि प्राचीन आश्चर्यक सामने ठाढ़ भेल लोक कें एक बेर विस्मय सँ जरूरे आहि बहरेतैक। ओतेक पुरान जमाना मे, जखन कोनो मसीन नहि बनल छलैक, कोनो ट्रक ट्रेलर नहि, कोनो क्रेन नहि, कोनो विशाल मालवाही जहाज नहि, मात्र छेनी हथौरी टा मजदूर आ कि कलाकारक हाथ मे रहैत छलैक, तखन कोना कए एतेक पैघ पाथरक खंड सब सुदूर दक्षिण के आसवान क्षेत्रक पाथरक खदान सँ काटि नदी मे बहा कए आनल गेल आ फेर नदी सँ निकालि समाधि स्थल तक पहुँचाओल गेल आ एक एक कए नीचा सँ उपर तक उठा कए जोड़ल गेल, से एखनहु बहुत तीव्रबुद्धि इंजीनियर लोकनि कें आश्चर्यचकित करितहिं छनि। किछु विद्वानक मत छनि जे मिस्त्रक इतिहास अथवा उचित कही तऽ मानव सभ्यताक इतिहास मे किछु महत्वपूर्ण अंश हेराएल अछि। पिरामिड मात्र एकटा प्राचीन स्मारके टा नहि, अपितु सब तरहें आश्चर्यक खजाना अछि। सबटा प्रवेश द्वार सटीक उत्तर दिशा मे कोना बनलैक ? कतेक सटीक ? उत्तर दिशा सँ एकर दिशाक अन्तर मात्र एक डिग्री, आधा डिग्री ? नहि, यौ ई अन्तर छैक मात्र 0।003 डिग्री। ग्राहम हैनकॉक के अनुसार एखनहु कोनो इंजीनियर एतेक सटीक दिशा निर्धारण कइए नहि सकैत छथि आ ओकरा कोनो भवन आ कि स्मारक मे उतारब तऽ असम्भवे बूझू। जतबे एकर विस्तार मे जेबैक ततबे ई आश्चर्य बढ़िते जाएत। आ एही आश्चर्य कें निहारैक लेल तऽ सब साल लाखो टूरिस्ट मिस्त्र दौड़ैत अछि।

अस्तु, ड्राइवरक संग पहुँचलहुँ पिरामिड परिसरक गेट पर। पिरामिड परिसर मे एक कात सँ दोसर कात जेबा मे किछु किलोमीटर के दूरी भऽ जाइत छैक। तें भीतर मे टूरिस्ट लोकनि बस, कार अथवा अन्य सवारी लैते छथि। परिसरक भीतर मात्र जेबा लेल 160 पौंड के टिकट, जाहि मे लोक परिसर मे टहलि सकैत छल, पिरामिड देखि सकैत छल मुदा ओकर भीतर नहि जा सकैत छल। पिरामिडक भीतर जेबा लेल अलग सँ 360 पौंडक टिकट, मुदा सेहो एखनहि गेटे पर लऽ लेबाक छल। तहिना अन्य किछु जगह लेल अतिरिक्त टिकट। एकर विपरीत 500 पौंडक एकटा टिकट छलैक जाहि मे लोक पिरामिडक भीतर जा सकैत छल आ एकाध अन्य दर्शनीय स्थल सेहो।

हमर ड्राइवर कहलनि जे यदि पिरामिडक भीतर जाएब तखन नीक होएत जे सम्मिलित टिकट लऽ लिअऽ। हुनके सुझाव पर हम 500 पौंडक टिकट लेल। सुरक्षा जाँच करबैत परिसरक भीतर प्रवेश केलहुँ। ड्राइवर दोसर रस्तें हमरा ओहि कात भेटि गेलाह। फेर गाड़ी मे बैसि ग्रेट पिरामिड लग बनल पार्किंग एरिया पहुँचलहुँ। अन्दर मे स्थानीय लोक टूरिस्ट लेल घोड़ाबला टमटम सेहो चलबैत अछि, किछु इलाका मे ऊँटक सवारी सेहो चलैत छैक मुदा ई सब भेल ओकरा लेल, जेना अमेरिकन आ कि यूरोपियन टूरिस्ट, जे टमटम सदृश सवारी पर नहि चढ़ल होए अथवा ओकर

विशेष मजा लूटऽ चाहैत होअए। हम सब तऽ मधेपुर सँ दरभंगा तक एक्का टमटम के बीचे पैघ भेल छी तखन ओकर कोन विशेष आकर्षण ?

परिसर पहुँचि ड्राइवर पहिने विभिन्न मुद्रा मे पिरामिडक पृष्टभूमि मे हमर फोटो लेलनि। एकटा फोटो संलग्न अछि उदाहरण लेल। फोटो देखि अपनहुँ कें अन्दाज भैए जाएत जे ओ ड्राइवर ट्रेंड गाइड आ फोटोग्राफर सेहो छलाह। अन्यत्र सेहो हमर फोटो ओएह लैत रहलाह। कोनो सेल्फी सँ ई फोटो सब जरूरे नीक छैक।

बाहर सँ पहिने ग्रेट पिरामिड देखल। जेना कि पिरामिडक ज्यामितीय बनाबट सँ बुझिए गेल हेबैक, आधार वर्गाकार होइत छैक आ ऊँचाइ समान भाव सँ घटैत घटैत अन्त मे एक विन्दु रहि जाइत छैक। चारू कातक फलक त्रिभुजाकार होइत छैक। आधार आ त्रिभुजक बीच के कोण पिरामिडक उन्नत कोण (angle of inclination) कहल जाइत छैक। जतेक पैघ कोण ओतेक उँचगर ओ पिरामिड बनतैक, तखने ने चारू त्रिभुजक फलक एक विन्दु पर मिलतैक। छोट कोण रहला सँ उँचाइ कम हेतैक। ग्रेट पिरामिडक ई कोण करीब 52 डिग्री छैक। एहि मे करीब 23 लाख प्रस्तर खंडक उपयोग भेलैक, प्रत्येक घनाकार खंड करीब एक मीटर सँ कने बेसी अछि आ ओकर ओजन करीब अढ़ाइ टन छैक।

पिरामिड बनबै मे पीयर चूना पत्थर (lime stone) के व्यवहार भेलैक। बाहरी सतह कें चिक्कन बनबै लेल नीक जकाँ पालिस कएल उज्जर चूनापत्थर लगाओल गेलैक। भीतर मे कमरा सब आ ब्युरियल चैम्बर ग्रेनाइट सँ बनाओल गेलैक। बाहरक उजरा पाथर तऽ प्रायः सबटा लोक छोड़ा छोड़ा कए लऽ गेल अथवा नष्ट भऽ गेलैक। मात्र खाफ्रेक पिरामिड मे उपरका टोपी बचल छैक।

अपना गाम-घर मे यदि कोनो बहुत पैघ पोखरि रहैत छैक तऽ ओकरा लेल जनश्रुति प्रचलित भऽ जाइत छैक जे ई दैत्य अथवा राक्षस द्वारा खुनाओल गेल हेतैक। तखन सोचियौक जे पाँच हजार वर्ष पहिने बनल ई पिरामिड कोन दैत्य बनौने हेतैक ? प्राचीन यूनानी इतिहासकार हेरोडोटस के अनुसार ग्रेट पिरामिड कें बनेबा मे बीस साल लगलैक आ करीब एक लाख मजदूर काज करैत रहलै। मुदा वर्तमान ईजिप्टोलोजिस्ट सबके अनुमान छनि जे एतेक मजदूर अस्थायी रूपें खाली ओहि समय मे रहैत हेतैक जखन नील नदीक सालाना बाढ़िक समय रहैत छलैक जाहि समय मजदूर सब कें खेतीबारीक काज नहि रहैत छलैक। स्थायी रूपें सब मिला कए बीस हजार के करीब लोक पिरामिडक निर्माण लेल काज करैत छलैक जाहि मे रसोइया, डाक्टर सँ लऽ कए पंडित तक सामिल छलैक।

एहि सब कें अनुमाने बूझल जेबाक चाही। पिरामिड कोना बनलै तकर समुचित इंजीनियरिंग जानकारी एखनहु नहि बूझल भेलैक अछि आ रिसर्च चलिये रहल छैक। पिरामिड परिसरक खुदाइ मे कतेको मजदूरक बस्ती, ओकरा सबहिक कब्र, कतेको हाइरोग्लाइफिक लेख आदि भेटलैक।

आब संक्षेप मे बूझि लिअऽ जे पिरामिडक भीतरे रहैत छलैक राजा अथवा रानीक ममी आ ओकरा संग आर बहुत किछु, जाहि मे छलैक ओकरा द्वारा प्रयुक्त गहना-गुड़िया, अस्त्र, शस्त्र आर अनेको वस्तु। एतेक दिन मे किछु बचल तऽ नहि छैक, सबटा चोरि भऽ गेलैक, जे किछु चोरि नहि भेलैक से ब्रिटिश शासक लोकनि द्वारा ब्रिटेन लऽ जाएल गेल। तथापि ओकर बनाबट, भीतर मे अवस्थित कब्रक विभिन्न कोठरी आदि एखनहु टूरिस्ट कें आकर्षित करिते छैक। सबसँ महत्वपूर्ण छैक भीतर जेबाक अनुभव। नहि गेलहुँ तऽ जरूरे लागत जे टूर मे किछु छूटि गेल।

ड्राइवर चेता देलनि जे एतए बहुत गाइड सब तंग करत तें अपन टिकट अनका नहि देखाएब। ठीके देखल जे जेना जेना पिरामिडक लग पहुँचैत गेलहुँ अनेको गाइड टिकट देखेबाक आग्रह करए लागल, किछु तऽ बलजोरी टिकट छीन

लेबा पर उद्यत भऽ गेल। अपना कें बचबैत पिरामिडक किछु सीढ़ी चढ़ि ओहि द्वार लग पहुँचलहुँ जतए सँ भीतर जेबाक रस्ता छलैक। एतए एकटा गार्ड टिकट चेक केलक आ अन्दर जेबाक इशारा कऽ देलक।

भीतर जाएब कठिनाह छैक, यद्यपि पूरा रस्ता इजोत रहैत छैक तथापि रस्ता एकटा संकीर्ण सुरंग जकाँ छैक जाहि मे लोक कें उतरए आ चढ़ए पड़ैत छैक। सुरंगक उँचाइ एतेक कम जे बहुत लिघुरि कए, कतहु कतहु बूझू घुसकि कए, जाएब जरूरी। एतेक जे पीठ पर राखल बैग सेहो उपर के देबाल मे सटि जाइत छलैक आ आगू बढ़ब कठिन भऽ जाइत छलैक। बैग राखब जरूरी मात्र एही कारण जे जलक बोतल अति आवश्यक। अन्दर गर्मी बहुत छैक, मोन औलबालि तऽ हेबे करत, घाम छुटबे करत। जिनका ठेहुनक दर्दक शिकाएति रहए अथवा संकीर्ण जगह मे जेबा मे डरक अनुभूति होनि ओ नहिए जाथि से नीक।

किछु दूरक रस्ता तऽ सामान्य उँचाइ बला छलैक, तकर बाद आबि गेल सुरंग। सीढ़ी बनल, प्रकाशित मुदा उँचाइ बड़ कम। अस्तु, लिघुरैत घुसकैत चढ़ए उतरए लगलहुँ। बेस लम्बा रस्ता। लोक सेहो बहुते कम। कियो कियो भीतर अबैत आ कि बाहर जाइत। अस्तु करीब दस-बारह मिनट के बाद भितरका कक्ष मे प्रवेश केलहुँ आ ठीक सँ ठाढ़ भेलहुँ। एतए कक्ष तऽ सामान्ये मुदा एक कात मे एकटा पैघ हौज जकाँ बनल। इएह जगह छलैक ममी-युक्त ताबूत कें रखबा लेल, एकरा ब्यूरियल चैम्बर कहल जाइत छैक। एतए किछु सेल्फी लेल, एकटा टूरिस्ट कें अनुरोध कएल जे हमर फोटो लऽ लेथि, एवम् प्रकारें फोटो लैत फेर बहार होएब शुरू कएल। करीब आधा घंटा लागल।

पार्किंग तक अबैत अबैत अनेको फेरीबाला सब घेरैत रहल अपन सामान सब बेचबा लेल। सब सामान ओएह चीन सँ आयातित नकली अनुकृति आदि। एतुका लोक भारतीय सिनेमा स्टार सबसँ खूब परिचित छथि। भारतीय मुह-कान सदृश यात्री कें आकर्षित करै लेल ओ लोकनि सलमान खान, अमिताभ बच्चन, करीना कपूर, प्रियंका चोपड़ा आदि हीरो हीरोइनक नाम लैत आ किछु तऽ कोनो गीतक एकाध पाँती सेहो गबैत। हम अपना कें बचबैत गाड़ी तक पहुँचलहुँ।

तकर बाद ड्राइवर संग गाड़ी मे बैसि बाकी दूटा पिरामिड देखैत एकटा उँचगर जगह पर गेलहुँ जतए सँ तीनू पिरामिड एक रेखा मे दृष्टिगोचर होइत छलैक। एहि जगह कें 'पैनोरैमिक भ्यू' बला जगह कहल जाइत छैक। एतए सँ किछु भग्न पिरामिड सेहो देखबा मे अबैत छैक। एतहु किछु फोटो लेल।



पिरामिड परिसर मे एहि मुद्रा मे ठाढ़ करा कए ड्राइवर फोटो लेलनि।

हमर 500 पौंडक टिकट मे परिसर मे अवस्थित सोलर बोट म्यूजियमक दर्शन सम्मिलित छल। एतहु गेलहुँ। एतए फैरो खुफ्रुक सोलर बोट राखल छैक। पिरामिड परिसर के खुदाइ के समय 1954 इ० मे जखन साफ-सफाइ चलि रहल छलैक तखन अकस्मात एकटा पाथरक देबालक भीतर करीब 1200 टुकड़ी मे ई नाओ भेटलैक। एकरा निकालि कए फेर सँ जोड़ल गेल आ एकटा आधुनिक म्यूजियम बनाए ओहि मे प्रदर्शित कएल गेल। बोट म्यूजियम मे मोट पातर विभिन्न साइजक पापीरसक रस्सी आ काठक तखता सब कें कोना कए ओहि डोरी सब सँ जोड़ि कए नाओ बनाओल जाइत छलैक तकर विधि सेहो प्रदर्शित अछि।

बोट म्यूजियम के बाद ड्राइवर हमरा लेने गेलाह प्रसिद्ध स्फिंक्स लग। गीजाक ई स्फिंक्स सेहो अद्भुत छैक। बैसल सिंहक विशाल मूर्ति मुदा मानव मुखाकृति बला चूनापत्थर के एकहि शिलाखंड सँ बनल ई 73 मीटर लम्बा आ 20 मीटर ऊँच स्मारक विश्व मे अद्वितीय अछि। विद्वान लोकनिक कहब छनि जे मुखाकृति फैरो खाफ्रे सँ मिलैत छैक। एहि मे राजकीय सिरस्त्राण सँ युक्त फैरो कें देखाओल गेल अछि। एतहु किछु फोटोग्राफी भेल।

पिरामिड परिसरक भ्रमण एतहि शेष भेल। तकर बाद घुरती रस्ता मे ड्राइवर हमरा लेने गेलाह एकटा पापिरस (papyrus) गैलरी मे। पापीरस अपना इलाकाक मोथी जकाँ पानि मे उपजैबला वनस्पति छिऐक। एकर पौधा डेढ़ मीटर के उँचाइ तक होइत छैक, उपर मुह पर फुलाएल, एकर डाँट गोल नहि, त्रिभुजाकार होइत छैक। एही पापीरस सँ पुरान जमाना मे मिस्त्र मे लिखबा लेल कागत बनाओल जाइत छलैक।

गेटे पर एकटा नवयुवती पापीरस के गाछ, एकटा ट्रे मे जल मे डुबाओल ओकर किछु ओदारल टुकड़ी आदि रखने पर्यटक कें कागत बनेबाक विधिक प्रदर्शन हेतु। लिखबाक नीक सतह बनेबा लेल बूझू सीकी सदृश पातर पातर किन्तु आठ-दस मिलीमीटर चाकर एक फुट लम्बा टुकड़ी सब कें तानी भरनी के क्रॉस स्टाइल मे बना कए एकटा समतल काठक पटरी पर राखि खूब जोड़ सँ बेलन चलाओल जाइत छैक जाहि सँ ओ पूरा समतल भऽ जाइ।

एहि गैलरी मे एहने कागत पर चित्रकारी कएल अनेक कलाकृति प्रदर्शित छल। ओ महिला एहि कलाकृति कें देखबए लगलीह आ संगहिं मिस्त्रक प्राचीन इतिहास सेहो बुझबए लगलीह। कलाकृति सब तऽ ओही इतिहासक विविध प्रसंग कें चित्रित करैत छलैक तें ई बुझाएब जरूरी। हमरो लेल ई नीके रहल। एतहि बूझल जे अगिला जीवन मे लोकक नीक बेजाए काजक लेखाजोखा करबा लेल ओकर हृदय कें एकटा काल्पनिक पाँखि, जकरा ''फेदर ऑफ जस्टिस'' कहल जाइत छलैक, के ओजन सँ तुलना कएल जाइत छलैक। पाँखिक तुलना मे जाहि फैरोक हृदय हल्लुक पाओल गेलनि ओ नीक काज केने छलाह तें हुनका देवत्व भेटैत छलनि। एही चित्र सब सँ बूझल जे फैरो लोकनि अपन नाम चित्र पर अथवा देवाल पर बेलनाकार घरक भीतर लिखैत छलाह, जकरा प्राचीन मिस्त्रक भाषा मे शेन (shen) कहल जाइत छलैक। एहि बेलनक एक कात मे रेखा खीचल रहैत छलैक जाहि सँ पता चलै जे कोन दिशा मे पढ़बाक चाही। नेपोलियनक सिपाही लोकनि एकर नाम कारतूस देलखिन कारण ओहि बेलनक आकार बन्दूकक गोली भरै बला कारतूस सदृश छलैक आ सएह नाम आब प्रचलित भऽ गेलैक।

गैलरी मे टाँगल चित्र सबके दामो लीखल मुदा आश्चर्य लागल जे सरकारी नाम रहितहुँ दाम मे मोलाइ सम्भव छलैक। एहू वस्तु मे चीन सँ बनल नकल बहुत घुसिया गेल छैक आ कहब कठिन जे कोन मूल अछि आ कोन चीनी नकल। तैयो एकटा कलाकृति मोला कए 200 पौंड मे कीनल। ओहि मे कारतूस बनल छलैक जाहि मे पर्यटक अपन अथवा कोनो आत्मीय के नाम लिखबा सकैत छल। हाइरोग्लिफ्स अक्षर मे हमर नाम Y P VIYOGI लीखि देलनि ओएह नवयुवती।

करीब तीन घंटा समय नीक जकाँ बिताए हम होटल घुरि एलहुँ। साँझ मे फेर थोमस कूक के बस मे पूरा दल गेलहुँ ‘‘लाइट एण्ड साउन्ड’’ शो देखबा लेल। ई जगह स्फिंक्सक ठीक सामने उँच चबूतरा पर बनल छैक। सैकड़ो कुर्सी लागल। कतेको टूरिस्ट ग्रुप संगहि ई प्रोग्राम देखैत अछि। करीब पचास मिनटक अंग्रेजी भाषा बला ई प्रोग्राम साढ़े सात बजे शुरू भेलैक। विभिन्न कालखंडक मिस्त्रक इतिहास बतबैत ई प्रोग्राम पूरा पिरामिड परिसर कें चित्रित आलोकित करैत रहल। एखन स्फिंक्स बहुते जीवंत भऽ गेल छलैक। एतेक सुन्दर स्फिंक्स दिनक रौद मे कोना देखि सकत लोक?

घुरती बस मे चेन्नै सँ आएल बीस बाइसटा पर्यटक हमरा सबहिक ग्रुप मे जुड़ि गेलाह। ई लोकनि साँझ मे काहिरा उतरल छलाह आ एयरपोर्ट सँ सीधे लाइट एण्ड साउन्ड प्रोग्राम देखबा लेल अबैत गेलाह। आब बस पूरा भरती भऽ गेल। होटल पहुँचि ओकर विस्तृत डाइनिंग हॉल मे कन्टिनेन्टल बुफे भोजन सँ अलग एक ठाम हमरा सब लेल भारतीय भोजनक बुफे व्यवस्था छल। थोमस कुक एकटा भारतीय रसोइया अपना टीम मे राखब शुरू केलक अछि। सूप सँ लऽ कए मिठाइ तक, नीक व्यंजन सब। लोक किछुओ खा सकैत छल – कन्टिनेन्टल आ कि भारतीय। लोक अपना अपना रुचिएँ डिनर लेलक आ रात्रि विश्राम लेल जाइत गेल। एहि प्रकारें हमर मिस्त्र यात्राक पहिल दिन शेष भेल।

पिरामिडक देश मे

योगेन्द्र पाठक 'वियोगी'

(पछिला अंक मे हमर मिस्त्र यात्राक पहिल दिनक अनुभव पढ़लियैक जाहि मे हम टूर ऑपरेटर थोमस कूक के प्रोग्राम सँ अलग अपने खर्चा सँ गीजाक पिरामिड परिसरक दर्शन कएल आ पापीरस गैलरी देखल।)

18 सितम्बर 2019, आइ मिस्त्र मे दोसर दिन छी। थोमस कूक बला ग्रुप एलेक्जेन्ड्रिया जा रहल छैक मुदा हमरा आइ विश्वक पहिल पिरामिड देखबाक अछि। एहि लेल हम वियोन्डरक माध्यम सँ अलग सँ व्यवस्था केने छी मेम्फिस टूर नामक कम्पनीक संग।

मेम्फिस टूरक टूर मैनेजर हमरा सँ भेंट करबा लेल सबेरे आबि गेलाह, हम तैयारे छलहुँ। हुनक गाइड, 'हेन्ड' नामक महिला आठ बजे एलीह आ हम सब विदा भेलहुँ टूर पर। आजुक टूर बिल्कुल प्राइवेट छल, गाड़ी मे ड्राइवर, गाइड आ हम, बस एतबे, जहिना कम्बोदिया यात्रा मे छलहुँ। समयक कोनो पाबंदी नहि, एतबे जे कुल आठ घंटा सँ बेसी नहि लगबाक चाही। गाड़ी मे बैसलाक बाद गाइड अपन परिचय दैत बतौलनि जे हेन्ड माने भेल इन्डिया, फ्रेन्च Inde (ऐन्द) सँ सम्भवतः बनल, तें हुनका हम 'भारती' कहि देलिएनि आ ओकर अर्थो बुझा देलिएनि। ओ खुसी भेलीह। अस्तु, ओ हमरा आजुक दर्शनीय स्थल सबहक इतिहास बतौनाइ शुरू केलनि। हम संगहि सड़कक दूनू कात आसपासक दृश्य सेहो देखब शुरू कएल।

गीजा शहर सँ बहरेलाक बाद पहिल बेर जखन देहाती इलाका मे एलहुँ तखन देखल नील नदीक नहर सब जे पटौनी लेल सबतरि पसरल छैक। गाइड बतौलनि जे नहरक पानि खाली खेती लेल उपयोग कएल जाइत छैक, पीबाक लेल नहि।

नहरक दूनू कात चाकर सड़क तकर कात मे घर, दोकान सब आ घरक कात खेत सब मे खजूरक गाछ। गाम देहात मे सब ठाम पक्का घर, सब तरहक, जहिना आब अपनहु सबके गाम मे भेटैत छैक। एखन सीजन छलैक आ पीयर पीयर खजूरक बड़का घोदा गाछ सब मे लटकल। ओना तऽ एहन दृश्य अपनहु गाम घर मे जून जुलाइ मास मे भेटि जाएत मुदा ने ओतेक पैघ गाछ आ ने ओहन पैघ गुदगर फल। एकटा आर विशेषता देखल, एतए खजूरक गाछ सँ रस निकालबाक कोनो प्रचलन नहि। कम्बोदिया मे तारक गाछक रस सँ गुड़, चीनी बनौनाइ राष्ट्रीय उद्योग छिऐक से बात हम गाइड कें कहलिएनि। हुनका ई नहि बूझल छलनि। हम अपना देहातक खजूरक फल आ एतुका फलक तुलना कए सोचल जे सम्भवतः रस निकलि गेला सँ गाछ कमजोर भऽ जाइत छैक आ फल रसगर गुदगर नहि भऽ पबैत छैक। एतए सम्भवतः एही कारण रस नहि निकालल जाइत हेतैक। एतए फल मुख्य छैक, रस नहि। अपना देहात मे खजूरक फल कोनो महत्वक चीज नहि होइत छैक आ लोक ताड़ीक व्यवसाय लेल रस निकालब बेसी उपयोगी काज बुझैत अछि।

एक ठाम ठाढ़ भऽ कए खजूरबोनीक पृष्टभूमि मे फोटो सेहो लेल। बुझाएल जे जहिना अपना सब आमक गाछी लगबैत छी तहिना एतए लोक खजूरक गाछी लगबैत अछि। किछु दूर गेला पर आमक गाछ सेहो भेटल जाहि मे फरल आम लटकल छलैक। गाइड बुझौलनि जे मिस्त्र मे आम सेहो लोक उपजबैत अछि।

गाड़ी मे चलैत चलैत गाइड हमरा दहसुरक टेढ़ (Bent) पिरामिड आ लाल (Red) पिरामिडक खिस्सा बतबैत रहलीह। एहि इलाकाक पिरामिड सब चारिम वंशक पहिल फैरो (सम्राट) स्नेफेरू द्वारा बनाओल गेल छैक। स्नेफेरू

गीजाक ग्रेट पिरामिड बनौनिहार फैरो खुफुक पिता छलखिन। स्नेफेरूक बनबाओल पहिल पिरामिड सकाराक सीढ़ीनुमा पिरामिडक नकल करैत बनाओल गेलैक मुदा असफल रहलैक आ नष्ट भऽ गेलैक। स्नेफेरू हारि मानै बला नहि छलाह। हुनक एक पुत्र हेमि उनी पिरामिडक वास्तुकार छलखिन। प्रयास चलैत रहलैक। दोसर जे बनलैक तकर उन्नत कोण शुरू मे 54 डिग्री राखल गेलैक। एकरा भीतर सेहो ब्यूरियल चैम्बर आदि बनाओल गेल छलैक। एहि समय पिरामिडक इंजीनियरिंग विकसिते भऽ रहल छलैक। एहि पिरामिडक आधार बहुत नीचा सँ नहि उठाओल गेलैक आ पिरामिडक बाहरी भागक जगह सेहो ओतेक मजगूत नहि छलैक। करीब 47 मीटर उँचाइ तक बनेलाक बाद वास्तुकार हेमी उनी कें डर भेलनि जे यदि एहिना आगू ऊँच करैत रहताह तऽ पिरामिडक आधार ओकर समस्त ओजन कें सम्हारि नहि सकतैक। तें कोण घटा कए 43 डिग्री कऽ देलखिन। पिरामिड बनि तऽ गेलैक मुदा देखबा मे ई टेढ़ लगैत छैक। टेढ़ो भेला पर पिरामिड बनेबाक बहुत बुद्धि तऽ वास्तुकार कें भैए गेलनि आ मजदूर सब सेहो अनुभवी भैए गेल छल। तखन बनाओल गेल तेसर पिरामिड जकरा रेड पिरामिड कहल जाइत छैक। इतिहासक हिसाबें उचित कही तऽ इएह विश्वक पहिल पूर्ण पिरामिड छिऐक आ फैरो स्नेफेरूक कब्र सेहो। "रेड" विशेषण लगलैक कारण लाल पाथर सँ बनलाक कारण एकर रंग ललौन छैक। आब रंग बहुत मलिन भऽ गेल छैक तथापि दूर सँ एखनहु अपन विशेषण कें सार्थक करितहिं छैक। 220 मीटर आधार आ 105 मीटर उँचाइ बला ई पिरामिड गीजाक खुफु आ खाफ्रे पिरामिडक बाद विशालता मे तेसर स्थान पर अछि। मुदा एहि पिरामिड कें 43 डिग्री उन्नत कोण पर बनाओल गेल छैक। मजबूती देबा लेल एकर ठोस घनाभ आधार 9 मीटर गहींर जगह सँ उठाओल गेलैक।

हमरा जिज्ञासा पर गाइड मिस्त्रक प्रसिद्ध ममी बनेबाक विधि सेहो बतबैत गेलीह। ममी बनाएब कहिया शुरू भेलैक से तऽ अज्ञात अछि मुदा एतेक तऽ जरूर जे राजा लोकनि अपन अगिला जीवन (afterlife) लेल अपन शरीर कें सुरक्षित करबाक प्रयास करैत रहलाह। मिस्त्र मे जे सबसँ पुरान ममी भेटलैक से अनुमानतः 3000 BC अवधि के छैक।

ममी बनेबाक बारे मे जे किछु बात बूझल छैक तकरा अनुसार पहिने डाँड़ लग नीचा भाग मे भूर कऽ कए शव सँ द्रव बला अंग आँत, लीवर आ किडनी कें निकालि कए अलग राखल जाइत छलैक। तहिना मस्तिष्कक द्रव पदार्थ सेहो नाक बाटे निकालि कए राखि लेल जाइत छलैक। हृदय शरीर मे छोड़ि देल जाइत छलैक। शव कें लेटा कए काटल भाग मे सूती कपड़ा ठूसि देल जाइत छलैक। तखन दूनू हाथ कें छातीक उपर क्रॉस जकाँ मोड़ि कए रखलाक बाद पूरा शव कें नूनक ढेरी मे राखि देल जाइत छलैक जाहि सँ ओकर सब द्रव पदार्थ शोषित भऽ जेतैक। एहि प्रक्रिया मे चालीस सँ सत्तरि दिन तक लगैत छलैक। तकर बाद बचल सुखाएल शरीर कें सूती कपड़ाक कतेको तह मे खूब सक्कत कए लपेटि देल जाइत छलैक। चेहरा उघारे रहैत छलैक जाहि सँ ओ व्यक्ति भगवानक घर मे चीन्हल जा सकैछ।

हृदय भीतरे मे छोड़ि देबाक एकटा खिस्सा ओ सेहो कहलनि। अगिला जीवन मे जखन व्यक्तिक कर्मक लेखा जोखा हेतैक तखन ओकर हृदयक ओजन कें न्यायक एकटा काल्पनिक पाँखि (feather of Justice) सँ तुलना कएल जेतैक। यदि लोक नीक काज कएने रहत तऽ ओकर हृदय ओहि पाँखि सँ हल्लुक रहतैक। खराप काज केनिहारक हृदय भारी भऽ जेतैक। एहि खिस्सा सँ सम्बन्धित कतेको चित्र हम पापीरस गैलरी मे कालि देखने छलहुँ आ ओतहु एहन खिस्सा सुनने छलहुँ।

पहिने तऽ ममी मात्र राजा लेल बनैत छलैक मुदा बाद मे ई व्यवसाय भऽ गेलैक। राजाक लगुआ भगुआ धनीक सेठ आ कुलीन व्यक्ति सेहो अपन ममी बनबए लगलाह। ममी बनौनिहार कें ते टाका चाही। तखन ममी लेल किछु नियम बनाओल गेल। राजा-रानीक लेल ममीक संग गहना-गुड़िया, मुकुट, अस्त्र शस्त्र आदि अलंकरणक संग दामी रेशमी

वस्त्र आदि सँ लपेटि रखबाक विधान बनलैक, मध्यम वर्गक लेल अलंकरण-रहित, खाली सूती कपड़ा सँ लपेटल आ जनसाधारण लेल ममी कें बैसल स्थिति मे राखल जेबाक प्रावधान भेलैक।

करीब चालीस मिनटक यात्राक बाद दहसुर इलाका मे प्रवेश करितहिं फैरो स्नेफेरू नामक साइनबोर्ड भेटऽ लागल। स्नेफ़ेरू नामक दोकान आदि सेहो देखल। एहि इलाका मे टूरिस्टक कोनो भीड़ नहि, बल्कि एक्का-दुक्का टुरिस्ट, सएह बूझू। हमरे जकाँ जिद्दी आ कि अन्वेषी टूरिस्ट एमहर अबैत हेताह। पिरामिड पहुँचबा सँ करीब दू किलोमीटर पहिने आबि गेल 'टूरिस्ट पुलिस' के चेक पोस्ट। ओतए पुलिस गाड़ीक नम्बर, गाइड आ ड्राइवरक नाम आ लाइसेंसक वर्णनक अतिरिक्त हमर राष्ट्रीयता सेहो लिखलनि। ई तऽ बूझल नहि भेल जे हमर भारतीय राष्ट्रीयताक कारण आन विवरण नहि लीखल गेल आ कि कोनो अन्य देशक नागरिक लेल दोसर तरहक व्यवहार छलैक। अस्तु, तकर बाद गाड़ी आगू बढ़ल। एतहि कने दूर गेला पर गाइड उतरि कए टिकट कीन लेलनि।

आगू विस्तृत मरुभूमि छल। मात्र एकटा पैघ घेरल इलाका जे मिलिट्री लेल बनाओल गेल छलैक। ओतहु हलचल बहुत कम। मुदा एतुका दर्शनीय स्मारक रेड आ बेन्ट पिरामिडक महत्वे ततेक छैक जे एहि मरुभूमिक बीच सेहो बहुत नीक सड़क बनल।

रस्ता तेना बनल छलैक जे पहिल पड़ाव आबि गेल रेड पिरामिड। एखन सबेरक नओ बाजल छलैक आ पार्किंग एरिया मे हम सब पहिल यात्री छलहुँ। गाइड हमरा टिकट दऽ देलनि आ पिरामिड लग छोड़ि देलनि कारण पिरामिडक भीतर गाइड नहि जाइत छथि। ई बात तऽ हम कालिए देखि लेने छलहुँ। अस्तु, बाहर सँ कने मने देखि लेलाक बाद हम चढ़ि गेलहुँ सुरंगक गेट तक। एतए एकटा अरब सुरक्षा कर्मचारी हमर टिकट चेक केलनि। तकर बाद उतरए लगलहुँ भीतर। सीढ़ी तऽ बनल छैक मुदा सुरंग एतहु मात्र 3 फुट ऊँच, तें खूब लिघुरि कए जाए पड़ैत छल। पूरे 200 फुट (करीब 61 मीटर) नीचा उतरलाक बाद देह सोझ केलहुँ आ सामने आबि गेल अति सुन्दर शंकुनुमा चैम्बर जाहि मे दू कातक देवालक बीच के दूरी उपर उठला पर घटैत जाइत छलैक। उपर दिस देखला पर लगैत जे देबालक दूरी घटेबा लेल ओकरो उन्टा सीढ़ीनुमा आकार देल गेलैक। करीब 40 फुट उपर गेला पर दूनू देबाल मिल जाइत छलैक। एहने दोसर चैम्बर फेर बगले मे भेटल। एहि चैम्बरक सामने सेल्फी लेल।

उपर अबै काल ओएह अरब सुरक्षा कर्मचारी हमर फोटो लेबाक अनुरोध केलनि। एतए हम कने हूसि गेलहुँ आ अपन मोबाइल हुनका पकड़ा देल। ओ किछु फोटो तऽ लेलनि मुदा अन्त मे बख्सीस माँगए लगलाह। ई गप हमरा बूझल छल जे मिस्त्र मे बख्सीस बहुत प्रचलित छैक आ यदि ककरो सँ कनियो सहायता लेबैक तऽ बख्सीस देबऽ पड़बे करत। मुदा एखन हमरा जेबी मे खाली दू सौ पौंडक नोट छल, दस बीस के किछु नहि आ एतेक बेसी बख्सीस तऽ नहिए देल जा सकैत छलैक। हम कने झूठ बजैत जे हमरा लग खुचरा नहि अछि, नीचा उतरि गेलहुँ।

ओहुना आब लगैत अछि जे ई सब अनुभव मिलाइए कए यात्रा चिरस्मरणीय होइत छैक। बाहर सँ पिरामिड सब एके रंग लगैत छैक आ विशालतम पिरामिड तऽ हम कालि देखिये लेने छलहुँ। मुदा भीतर मे दूनू पिरामिडक कक्ष सब मे बहुत अन्तर छलैक, से बिना अन्दर गेने कोना बुझितिऐक ?

एकर बाद हम सब आबि गेलहुँ एक किलोमीटर दूर पर टेढ़ (bent) पिरामिड लग। पार्किंग एरिया मे एतए एकटा गाड़ी पहिनहि सँ लागल आ किछु टूरिस्ट ओहि पिरामिड कें बाहरे सँ देखि रहल छलाह। पार्किंग एरियाक बगल मे छाहरि बला एकटा बस स्टैण्ड सदृश जगह बनल, किछु टूरिस्ट पुलिस एतहु आराम करैत।

गाइड आ ड्राइवर कें एतहि छोड़ि हम गेलहुँ पिरामिडक परिक्रमा करबा लेल। पथराह जमीन। एहि पिरामिड मे हालहि मे करीब पचास वर्ष बाद भीतर जेबाक बाट खोलल गेलैक अछि। सुरंग तऽ बनि गेलैक मुदा ओहि मे प्रकाश एखनहु

नहि छैक। गेट पर जे सुरक्षा कर्मचारी छलाह ओ एकटा टॉर्च रखने। यदि कियो अन्दर जाए तऽ ओ संग संग इजोत देखबैत जेताह। एतए भीतर मे चैम्बर करीब 80 मीटर गहीँर छैक, माने रेड पिरामिड सँ करीब बीस मीटर बेसिए। एकरा पाछू मे छोटका 18 मीटर उँचाइ बला पिरामिड छैक जाहि मे स्नेफेरूक रानी हेतेफेरसक कब्र छलनि। एहू मे आब उतरबाक व्यवस्था भऽ गेलैक अछि मुदा एकर दरबज्जा बन्द रहैत छैक आ आग्रह केले पर सुरक्षाकर्मी अपनेक लेल ताला खोलताह, अपने जतेक काल भीतर रहबै, ओतेक काल ठाढ़ रहताह आ फेर ताला लगाइये कए जेताह। जतेक एहि अरब लोकनिक सेवा लिअऽ ओतेक बख्सीस देबा लेल तैयार रहू।

हम ओहुना रेड पिरामिड मे चढ़ि उतरि कए थाकि गेले छलहुँ आ दिन सेहो चढ़ल जा रहल छलैक आ ओही अनुसारें एहि मरुभूमि इलाका मे भगवान भास्कर अपन तीक्ष्णता बढ़ा रहल छलाह। तें हम एहि दूनू पिरामिडक प्रदक्षिणा कऽ कए घुरि गेलहुँ। फेर एकटा नीक जगह चुनि कए गाइड कें कहलिएनि फोटो लेबा लेल। एतहि हमर दहसुर दर्शन समाप्त भेल।

अगिला स्थल छल मेम्फिसक म्यूजियम। मेम्फिस एखन तऽ अति छोट गाम जकाँ छैक मुदा प्राचीन समय मे मिस्त्रक राजधानी सेहो छलैक। एतए म्यूजियमक भीतर गाइड संगहि रहलीह आ विभिन्न दर्शनीय स्मारक कें बुझबैत रहलीह। एतए मिस्त्रक प्रायः सबसँ प्रतापी फैरो रैमसेस-द्वितीयक विशाल किन्तु अंशतः खंडित प्रस्तर प्रतिमा सुताएल राखल छैक। रैमसेस-2 उनैसम वंशक तृतीय फैरो छलाह आ प्रायः 66 वर्ष तक (1279-1213 BC) राज केलनि जे विश्व मे एखनहु कीर्तिमान छैक। लम्बा अवधिक शासन लेल सम्भवतः ब्रिटेनक वर्तमान महारानी एलिजाबेथ-2 एहि कीर्तिमान कें तोड़ि देलनि अछि, मुदा कतए रैमसेस-2 सन सक्रिय प्रतापी सम्राट आ कतए ब्रिटेनक सांकेतिक राष्ट्राध्यक्ष महारानी एलिजाबेथ ? दूनू मे कोनो तुलने नहि। हिनका जहिना अनेकानेक पत्नी छलखिन तहिना सैकड़ो पुत्र छलखिन। रैमसेस-2 के स्मारक मे सब ठाम दूटा मुकुट देखल, दूटा मुकुट मिस्त्रक दूनू भाग __निचला आ उपरका __कें संकेत करैत जे सम्राट समान भाव सँ दूनू भाग कें देखैत छथिन। हिनकर खिस्सा मिस्त्र भ्रमण मे आगू अनेक बेर आओत।

म्यूजियम परिसर मे खुला जगह पर हिनक कने छोट प्रस्तर प्रतिमा ठाढ़ अवस्था मे सेहो लागल छैक। मुदा एहि सबसँ विशिष्ट अछि एतुका स्फिंक्स। ई स्फिंक्स आकार मे तऽ गीजाक स्फिंक्स सँ बहुत छोट छैक मुदा एकर मुखरा छैक मिस्त्रक रानी हातसेप्सुत केर। रानी हातसेप्सुत मिस्त्र मे एकमात्र महिला शासक भेलीह जे अपन नावालिग बेटाक समय करीब 12 वर्ष तक पुरुषक वेष मे राज केलनि। हिनकर खिस्सा आगू अनेक बेर आओत।

मेम्फिस म्यूजियम मे देबाल पर अनेको चित्रकला आदि तऽ छलैके, परिसर मे खुला आकाश मे कतेको खंडित प्रस्तर स्मारक सब राखल। गाइड कहलनि जे पुरातात्विक खुदाइ मे जखन जे किछु भेटलैक आ जकरा आन ठाम जगह नहि भेटलैक से एतए आनि कए राखि देल गेलैक। लोक बाद मे अध्ययन करैत रहत।

एतए परिसर मे, जेना कि टूरिस्ट जगह पर सर्वत्र होइत छैक, बहुतो दोकान उपयोगी अनुपयोगी आ कहबाक लेल बहुमूल्य वस्तु सब बेचैत। हमरा आकर्षित करबा लेल ओहिना एकटा दोकानदार लगला भारतीय फिल्मस्टार सबहक नाम गनाबए। ओतेक सँ हम नहि रीझलहुँ तऽ एकटा नील रंगक पाथरक टुकड़ी, जकरा ओ सब सौभाग्यक प्रतीक बुझैत छथिन, से पकड़ा देलनि। गाइड हमरा कहलनि लऽ लेबाक लेल, हम लऽ लेलहुँ। मुदा घुरती मे जखन हम ओहि दोकान सँ किछु नहि कीनल तखन दोकानदार जरूरे मोने मोन हमरा सरापने होएत। छोड़ू, एना तऽ होइते रहैत छैक।

एतए सँ हमसब विदा भेलहुँ सकारा कें। फेर रस्ता मे आबि गेल नील नदीक नहर सब। करीब आधा घंटाक बाद टूरिस्ट पुलिसक चेकपोस्ट पार करैत मरुभूमिक एकटा उँचगर जगह पर छलहुँ जतए छल विस्तृत खंडहर सब के भंडार आ सबसँ महत्वपूर्ण स्मारक विश्वक पहिल विशाल प्रस्तर स्मारक जकरा लोक स्टेप पिरामिड कहैत छैक।

तृतीय वंशक पहिल फैरो जोसर (Djoser) एवं हुनक वास्तुकार इम्होटेप कल्पना केलनि जे कब्र मे ममी कें झँपबा लेल मात्र एक मस्तबा (शिलाखंड) के बदला यदि शिलाखंडक उपर शिलाखंड रखैत खूब उँचगर उठा देल जाए तऽ नीक रहतैक। एही कल्पना सँ सकारा मे जोसरक कब्र लेल बनाओल गेल सीढ़ीनुमा (stepped) पिरामिड।

स्टेप पिरामिडक परिसर मे हम सब प्रवेश केलहुँ एकटा गैलरी होइत जाहि मे खूब ऊँच स्तम्भ दूनू कात बनल आ ऊपर सेहो पाथरेक छत। गाइड बतौलनि जे ई छत पुनरुद्धार (restoration) के प्रयास मे हालहि मे बनाओल गेलैक।

भीतर परिसर बेस पैघ, एतए वार्षिक उत्सव होइत छलैक। सामने ठाढ़ छल ओएह सीढ़ीनुमा पिरापिड जे विश्वक पहिल एतेक पैघ प्रस्तर स्मारक बनल। वर्तमान मे ओ स्मारक ढहि रहल छैक तें ओकर भीतर के कहए, लगो जाएब प्रतिबन्धित छैक। सब किछु घेरल। प्रायः पाँच हजार साल पुरान एहन स्मारक एखनहु देखबा लेल कहुना ठाढ़े छैक सएह की कम आश्चर्य ? आर्यावर्त मे तऽ एहन किछु नहिए छैक।

अस्तु, हम सब एही कात सँ किछु फोटो आदि लेल। तकर बाद बाहर निकलि कए एकटा उँचगर जगह सँ सकारा स्थित विभिन्न स्मारक के दर्शन कएल। सामने मे दूर अवस्थित दहसुरक टेढ़ आ लाल पिरामिड सेहो देखाइ पड़ि रहल छल। एकर अतिरिक्त भग्नावस्थाक विभिन्न चरण मे करीब एगारहटा पिरामिड एक लाइन सँ देखाइ पड़ल। गाइड बतौलनि जे सकारा मे बहुत रास स्मारक एखनहु माटिक भीतर पड़ल छैक, हम अपनहु देखलियै एक ठाम खुदाइ चलिये रहल छलैक।

सकाराक विस्तृत क्षेत्र देखबा लेल एक दिन बहुते कम, तखन टूरिस्ट कें किछु मुख्य स्मारक सब देखि कए संतोष करए पड़ैत छैक। हम एकर बाद फैरो उनासक पिरामिड देखबा लेल गेलहुँ। ओना ई पिरामिड भग्ने छैक मुदा एकर भीतर कक्ष सब अद्वितीय छैक। पहिल बेर देखल पूरा ब्यूरियल चैम्बर मे देबाल आ छत सब हाइरोग्लिफ (hieroglyph) लेखन सँ भरल। एकर एकटा छोट चित्र संलग्न कऽ रहल छी। इएह हाइरोग्लिफ लेखन आधुनिक युग मे लोक कें मिस्त्रक प्राचीन सभ्यता सँ परिचय करौलकै। विद्वान लोकनिक अनुसार हाइरोग्लाइफिक लेखनक आविष्कार प्रायः 3300 BC (अर्थात करीब 5300 वर्ष पूर्व) मे भेल छलैक। मिस्त्रक सब प्राचीन स्मारक मे एकर प्रचुर व्यवहार भेलैक। मध्य युग मे एहि लिपिक ज्ञान नष्ट भऽ गेल छलैक मुदा आधुनिक युग मे मिस्त्रक रोजेटा जगह पर एकटा प्राचीन शिलालेख, जकरा रोजेटा स्टोन नाम देल गेलैक, कें पढ़ि कए फ्रासीसी विद्वान जाँ-फोंस्वा शाँपोलिओं एकर कुंजी ताकि लेलनि आ तखनहि मिस्त्रक सभ्यताक पूरा इतिहास जगजगार भऽ गेलैक। रोजेटा स्टोन वर्तमान मे ब्रिटिश म्यूजियम मे राखल छैक। स्टेप पिरामिडक परिसर मे खुदाइ भेला पर बहुत रास पाथरक हाइरोग्लाइफिक लेख सब भेटलैक जाहि मे पहिल आ दोसर वंसक राजा सबहिक नाम छलैक।

उनासक पिरामिडक लगे मे एकटा छोट कब्र छल राजकुमारी इदुत के, जे उनासक पुत्री छलीह। एतहु देबाल सब पर बहुत रास चित्रकारी आ लिखाइ। चित्रक रंग एखनहु बहुत जीवंत छैक।



देबाल मे चित्रित हाइरोग्लिफ अक्षर

देखबाक तऽ बहुत किछु छल मुदा रौद बढ़ल चल जा रहल छलैक आ मरुभूमि मे बालु आ पाथरक टुकड़ी बला जमीन पर चलबो आनन्ददायक नहि रहि गेल छलैक। भूखो लागि गेल छल। तें किछु खंडहर सब कें देखैत फोटो लैत सकारा सँ विदा लेल।

हमरा टूरक खर्चा मे लंच जोड़ल छल। गाइड पुछलनि की खाएब ? हम शाकाहारी विकल्प चूनल। ओ अपनहि मोने बैगनक तरकारी बनेबाक आदेश रेस्तराँ कें दऽ देलखिन। हम सब घुरि कए करीब सबा दू बजे गीजा एलहुँ। जाहि रेस्तराँ मे हमर लंचक व्यवस्था छल से एकदम स्फिंक्सक सामने। एतए दुतल्ला पर बैसि पूरा पिरामिड परिसरक दृश्य देखबा मे अबैत छल। उत्तम जगह, तहिना भोजनो उत्तम। भात, स्थानीय रोटी, तीन प्रकारक चटनीक संग बैगनक तरकारी जे बूझू तरुआ आ रसदारक बीच मे छल, बेस स्वादिष्ट लागल। अन्त मे खीर सेहो। आर की चाही ? गाइड बुझा देलनि जे टिप (बख्सीस) हमरा देबाक चाही। हुनके सँ पूछि दस पौंड टिप हम बेयरा कें दऽ देल। होटल अबैत अबैत साढ़े तीन बाजिए गेलैक, माने टूर साढ़े सात घंटाक भैये गेल। हम गाइड आ ड्राइवर कें सेहो यथोचित बख्सीस दऽ कए विदा कएल आ रूम मे आराम करए गेलहुँ।

साँझ मे थोमस कूकक ग्रुप जखन एलेक्जेन्ड्रिया सँ घुरलैक तखन सब गोटे संगहिं भारतीय भोजनक रसास्वादन कएल। एतहि इन्द्रजित ग्रुपक ड्राइवर, गाइड, रसोइया आ अन्य स्थानीय सहयोगी सबके बख्सीस लेल सब सदस्य सँ करारक अनुसार पाँच डॉलर प्रतिदिनक हिसाबें चालीस डॉलर रखबा लेलनि। अस्तु आब अगिला पाँच दिन हमरो एही ग्रुपक संग रहबाक छल।

अगिला दिन 19 सितम्बर काहिरा प्रवासक अन्तिम दिन छल। आजुक कार्यक्रम मे बहुत किछु शामिल छल। सबेरे जलपानक बाद साढ़े सात बजे सब गोटे बस मे सवार भेलहुँ पिरामिड परिसर जेबा लेल। गाइड एतहु एकटा महिला छलीह। ओ सब कें बुझा देलनि जे जिनका ग्रेट पिरामिडक भीतर जेबाक होअए से अलग सँ गेटे पर टिकट कीन लेथि कारण थोमस कूकक पैकेज मे भीतर जाएब सम्मिलित नहि छलैक। हमरा ग्रुप मे तऽ एहनो तमिल महिला छलीह जे हवाइ जहाज मे ह्वील चेयर सँ चढ़ैत उतरैत गेलीह। तहिना किछु अन्य लोक अपन असुविधा कें खियाल करैत पिरामिड कें बाहरे सँ दर्शन करब यथेष्ट बुझलनि। मुदा किछु गोटे कें तऽ टिकट किनबाक छलनि।

एतेक सबेरे विदा भेलाक अछैतो पिरामिड परिसरक प्रवेश मार्ग पर टूरिस्ट बसक ततेक ने लाइन लागि गेल छलैक जे हमरा सब कें सब प्रक्रिया करैत सुरक्षा जाँच करबैत अन्दर जेबा मे नओ बाजि गेल। आइ हमरा एतए बहुत किछु करबाक नहि छल कारण सब किछु तऽ देखले छल। जतेक समय मे ग्रुपक अन्य सदस्य लोकनि ग्रेट पिरामिडक भीतर जाइत गेलाह ओतेक समय मे हम तीनू पिरामिड कें नजदीक सँ प्रदक्षिणा कएल जाहि सँ ओहि मे भेल क्षयक अनुमान भऽ सकए। बसे सँ सब गोटे भ्यू प्वाइन्ट जाइत गेलहुँ। पैघ ग्रुप मे समस्या अबितहिं छैक जे विभिन्न लोक

कें फोटोग्राफीक विभिन्न आवश्यकता। सब कें सम्हारि कए राखब आ समय के पाबन्दी सेहो बना कए राखब कठिन काज छैक मुदा टूर मैनेजर इन्द्रजित तऽ इएह काजे करैत रहल छथि। बेस दक्ष अपना उत्तरदायित्व मे।

एतहि करीब 200 मीटर चलि कए सब लेल ऊँटक सवारी करबाक व्यवस्था कएल छलैक। लोक ऊँट पर चढ़ि दस मिनट तक एहि मरुभूमिक हिआओ लेलक, ततबे। करीब आधा घंटा लागल एहि काज मे। फेर सब गोटे बस मे सवार भए आबि गेलहुँ परिसरक बाहर पार्किंग एरिया लग जतए सँ स्फिंक्सक दर्शन करबाक छल। स्फिंक्स लग तऽ हम पहिनहु गेल छलहुँ मुदा आइ दोसर बाटें प्रवेश भेला पर एतहु एकटा कब्र देखल। भीड़ ततेक जे ककरहु सेल्फी ठीक सँ नहिए लेल होइत छलैक। मुदा लोक की मानैत छल ?

अस्तु, तय समय पर सब गोटे बस मे सवार भेलहुँ। अगिला स्थल छल मिस्त्रक नामी इत्र देखबाक आ कीनबाक। हम सब एकटा बेस पैघ घर मे प्रवेश कएलहुँ जतए सब कें बैसबा लेल सोफा, कुर्सी आदि देल गेल, संगहिं मुफ्त शौचालयक सुविधा सेहो। अन्यत्र तऽ पाँच पौंड देबऽ पड़ैत छैक लघुशंको लेल। तें एतए लोक अपना अपना हिसाबें शंका निवारण केलक।

गृहस्वामी अथवा उचित कही जे इत्रक दोकानदार हमरा सब कें एक एक गिलास शीतल पेय देलनि। गर्मी तऽ छलैके से एहि पेय सँ सबहक मोन प्रसन्न भेलैक। तकर बाद सबकें एकटा कए कागत पकड़ा देल गेल जाहि मे विभिन्न इत्रक नाम आ दाम सेहो लीखल छलैक। फेर चलल इत्र आदिक वर्णन आ सब कें हाथ मे लगा लगा कए ओकरा सुँघबाक आ जँचबाक क्रम। हमरा एहि सब मे बेसी रुचि नहि छल मुदा महिला वर्ग तऽ तल्लीन छलीह ई देखाउ, ओ देखाउ आदिक फरमाइस चलि रहल छलैक। अन्त मे दोकानदार अपन विभिन्न पैकिंग के 'ऑफर' दाम आदि बतबैत गेलाह, कोन कम्बिनेसन मे कतेक लेला सँ कतेक लाभ होएत आदि। अस्तु किछुए लोक छोट छोट शीशी किनलनि। तकर बाद हम सब बस मे सवार भेलहुँ काहिरा जेबाक लेल जतए भोजन करबाक छल, फेर विश्व प्रसिद्ध काहिरा म्यूजियम देखबाक छल आ तखन फेर एकटा बजारक दर्शन आ शॉपिंग आदि।

दू बाजि गेल छलैक, लोक कें भूखो लागि गेल छलैक मुदा बस शहरक ट्रैफिक मे घुसकिए रहल छल सएह बूझू। सब शहरक हाल एहिना छैक। मुदा किछु होउ, ट्रैफिक नियम भंगक बात सोचिओ नहि सकैत छी। अस्तु, हमसब पहुँचलहुँ नील नदीक कछेर मे नाओ पर बैसाओल एकटा होटल जकर रेस्तराँ मे हमरा सबहिक भारतीय भोजनक उत्तम व्यवस्था छल। थोमस कूक भोजनक व्यवस्था मे कखनहु कोनो शिकाएतिक अवसर ककरो नहि दैत छैक। लोक भरि पोख भोजन केलक।

भोजनक बाद पहुँचलहुँ म्यूजियम। एतए पहिल बेर इन्द्रजित लोक कें बुझौलखिन जे कैमरा सँ फोटोग्राफी लेल अलग सँ टिकट लगैत छैक। मुदा मोबाइल सँ बिना फ्लैस के फोटो लेबा पर कोनो रोक नहि छैक। बर बेस, किछु शौकिया फोटोग्राफर लोकनि टिकट कीनैत गेलाह। हमरा सब कें म्यूजियमक प्रवेश टिकट हाथ मे देल गेल। संगहिं गाइड सबकें एकटा इयरफोन सेहो पकड़ा देलनि, ओहि मे चैनल सेट करबाक व्यवस्था। एहि तरहक व्यवस्था आब पैघ आ भीड़भाड़ बला जगह मे सबतरि भऽ गेलैक अछि से हम छओ वर्ष पूर्व ऑसविच भ्रमण मे देखने रही। अस्तु, सब गोटे गाइडक पाछू म्यूजियम मे प्रवेश केलहुँ। इयरफोन भेला सँ सुविधा छैक जे लोक कें गाइड सँ सटल रहब जरूरी नहि आ गाइड अपनहु साधारण आवाज मे बिना आन ग्रुप कें डिस्टर्ब केने बाजि सकैत छथि। तैयो ग्रुपक सदस्यक संग रहब आ संग चलब जरूरी नहि तऽ फेर भोतला जाएब।

एतेक विशाल म्यूजियम मे मात्र डेढ़ घंटा मे सब किछु देखब तऽ सम्भव नहि छलैक। गाइड लोकनि एकटा रूट बना लैत छथि जाहि मे प्रमुख प्रदर्शन स्थल होइत लोक चलैत अछि। पहिल महत्वपूर्ण स्थल छल रोजेटा स्टोन। पहिनहि

कहि देने छी असली रोजेटा स्टोन, जे रोजेटा नामक जगह पर भेटल छलैक आ जाहि सँ मिस्त्रक प्राचीन हाइरोग्लाइफिक लेखन कें पढ़बा मे मदति भेटलैक, ब्रिटिस म्यूजियम मे राखल छैक। एतुका म्यूजियम मे ओकर अनुकृति छैक। गाइड एकर इतिहास बतबैत दुख सेहो प्रकट केलनि जे असली पाथर मिस्त्र मे नहि अछि।

तकर बाद किछु राजा रानीक मूर्ति, चित्र आदि देखल जाहि मे मुख्य छल खुफु, खाफ्रे आ मेन्कौरेक पाथर प्रतिमा, जिनकर पिरामिड हम सब गीजा मे देखि लेने छी। म्यूजियम मे कतेक ने वस्तु छैक देखबाक जे लोक महीनो एकर अध्ययन करैत रहत तैयो शेष नहि हेतैक। तखन एहि डेढ़ घंटाक टूर मे सब किछु मोन राखब सेहो सम्भव नहि। एहि म्यूजियम मे दूटा प्रसिद्ध वस्तु छैक —तूतनखामन के सोनाक ताबूत आ ममी आदि। गाइड सेहो बुझैत छथिन जे लोक एतबे मोन राखत।

अस्तु, घुमैत घुमैत हम सब पहुँचलहुँ ओहि स्थल पर जतए प्रसिद्ध फैरो तूतनखामनक ताबूत राखल छैक। तूतनखामन नवीन साम्राज्यक अठारहम वंशक तेरहम फैरो छलाह जिनक शासनक समय 1355-1346 BC आँकल जाइत अछि। मिस्त्रक पुरातात्विक खुदाइ के इतिहास मे एकटा इएह ताबूत एतेक सही सलामत भेटलैक जाहि मे असली सोनाक ताबूतक संग ममी सेहो छलैक। ममी किछु नष्ट भऽ गेल छलैक आ एखन प्रदर्शनी सँ हटा देल गेल छलैक।

आश्चर्ये जे प्रायः 3300 वर्ष मे एतए चोर नहि पहुँचि सकल। ताबूत तीन तह मे छलैक —सब सँ भीतर बला ताबूत 110 किलो ओजन बला ठोस सोनाक बनल छलैक, ओकर उपर दूटा आर काठक ताबूत बनल छलैक, बूझू जहिना रसियन डॉल रहैत छैक तहिना। ताबूत सब मात्र काठक बक्सा नहि होइत छलैक, अपितु ओहि मे उपर नीचा दूनू भाग मे बहुर रास चित्र, कलाकारी आदि बनल रहैत छलैक। एकदम मनुष्यक आकार मे बनाओल जाइत छलैक ई ताबूत सब, जाहि मे सिर, धर आ पएर के अंश ओहिना बुझाइत छैक जेना लोक शवासन मुद्रा मे पड़ल होए। ताबूत दू टुकड़ी मे बनैत छलैक, नीचा बला भाग मे ममी बनल शव राखि उपर बला भाग सँ झाँपि देल जाइत छलैक। एकर अतिरिक्त तूतनखामन के ताबूत पर 10 किलो शुद्ध सोनाक मुखौटा सेहो छलैक। मुखौटा मिस्त्रक उन्नत कलाक अद्वितीय नमूना अछि। एकर फोटो लेब वर्जित छैक मुदा इएह फोटो इंटरनेट पर सबतरि भेटि जाएत।

तीन तह बला ई ताबूत चारि तह के सोनाक मुलम्मा चढ़ाओल काठक बहुत पैघ बक्सा मे सुरक्षित राखल छलैक। ओहि बक्सा मे ताबूतक बगल मे चारिटा छोट बक्सा सेहो छलैक जाहि मे अलाबास्टर पाथरक विशेष पात्र मे शरीरक द्रव बला अंग - आँत, लीवर, किडनी आ मस्तिष्क, निकालि कए राखल गेल छलैक।

ई सब गाड़ल छलैक राजाक घाटी (valley of kings) मे जे कि नील नदीक पश्चिम मरुभूमि मे एकटा पहाड़ी इलाका मे गुप्त स्थान छलैक। नवीन साम्राज्य तक राजा सबकें बुझबा मे आबि गेल छलनि जे कब्रक चोरि होइते रहैत छैक तें एकटा गुप्त जगह चुनि कए अपन कब्र बनबैत गेलाह। हमरा सबहिक टूर के अन्तिम दिन एहि घाटीक भ्रमण होएत।

अस्तु, तूतनखामनक कब्रक अवशेष देखि लेलाक बाद हम सब ममी देखबा लेल पहुँचलहुँ। दूटा ममी म्यूजियमक जेनरल भाग मे राखल छैक। राजा-रानीक ममी सब विशेष ‘‘रोयाल कक्ष’’ मे राखल, जकरा लेल अलग सँ 180 पौंडक टिकट लगैत छलैक। हम टिकट लऽ कए एहि कक्ष मे सेहो ममी सब देखलहुँ। सब ममी काँचक पारदर्शी घेरा मे बन्द आ सब घेराक भीतर एक एकटा हाइग्रोमीटर राखल ओकरा भीतर नमी कें जँचबा लेल। टिकट बला ममी सब के दूटा हॉल छलैक आ दूनू मिला कए करीब पचीस टा ममी राखल, सब नीक सुरक्षित अवस्था मे।

एहि प्रकारें आजुक म्यूजियम दर्शन शेष भेल। तकर बाद बस सँ जाइत गेलहुँ अल-खलीली बजार। थोमस कूक इएह बजार हमरा सब लेल किएक चुनलनि से तऽ ठीक सँ बुझबा मे नहि आएल मुदा रस्ता मे राजधानी काहिराक किछु

दर्शनीय स्थलक दर्शन जरूर भेल। बसे सँ देखैत आँखि जुरबैत गेलहुँ जे ई काहिराक किला छिऐक तऽ ई स्टेडियम। काँच ईंटाक बनल किछु प्राचीन घर बला इलाका सेहो देखल। आब तऽ सबतरि पक्का ईंटा आ सीमेंट-कंक्रीटक घर बनैत छैक।

अल-खलीली बजार हमरा सबकें आनल गेल छल जे लोक अपन बेगरताक अनुसार सनेसक चीज वस्तु कीन लेत। एतए मिस्त्रक स्थानीय निर्मित वस्तुक अपेक्षा चीन सँ आयातित वस्तुक भरमार देखल। पूरा विश्व मे एहिना चीनी सामान भरि गेल छैक। अस्तु, हमरा बहुत किछु किनबाक तऽ नहि छल, बच्चा सब कें मिस्त्र भ्रमणक सनेस देबा लेल किछु पिरामिडक अनुकृति कीनल। ग्रुपक महिला लोकनि तऽ एतहु अनेक सस्ता ड्रेस आदि किनलनि, बर बेस।

ग्रुपक किछु सदस्य कें आइ रातिए आसवान (Aswan) जेबाक फ्लाइट छलनि। ओ लोकनि अपन सामान लइए कए भोर मे चलल छलाह। एतए हुनका सबकें एकटा अलग बस मे बैसा कए एयरपोर्ट पठा देल गेल। ओ सब राति मे आसवान मे होटल मे विश्राम करताह आ भोर मे फेर एयरपोर्ट आबि जेताह सबहक संग आगूक भ्रमण लेल। हमर स्थानीय मुद्रा आब शेष भऽ रहल छल आ होटल छोड़बा सँ पहिने एकर इन्तजाम कैए लेबाक छल कारण आगूक यात्रा मे एहन सुविधा कतए भेटत से निश्चित नहि। एहि आशयक चर्चा हम जखन घुरती मे बस मे चलाओल तऽ एकटा तमिल यात्री बजलाह जे हुनका लग किछु विशेष ईजिप्सियन मुद्रा छनि। ई अतिरिक्त मुद्रा हुनका एकटा मित्र देने छलखिन जे कहुना डॉलर मे विनिमय करा कए भारत लऽ आबथि। बेस, हमरा एहि मे कोनो आपत्ति नहि छल, हुनके सँ एक सौ डॉलर भजा लेल। करीब साढ़े आठ बजे हम सब होटल घुरलहुँ आ फ्रेस भेलाक बाद जुमि गेलहुँ भोजनालयक भारतीय खंड मे।

टूरक अगिला भाग मे सबेरे सब कें हवाइ जहाज सँ मिस्त्रक दछिनबरिया शहर आसवान जेबाक छल, सेहो पूरा ग्रुपक सदस्य एकहि फ्लाइट सँ नहि जा रहल छलाह, किछु कें फ्लाइट पाँच बजे आ किछु कें साढ़े पाँच बजे। आ हम सब छलहुँ एयरपोर्ट सँ दूर गीजा मे। इन्द्रजित सबकें बुझा देलखिन वेकअप कॉल एक बजे रातिए मे बजि जाएत, डेढ़ बजे तक सब गोटे अपन सुटकेस सब गेटक आगू राखि देबैक जाहि सँ होटलक कर्मचारी ओकरा उठा कए नीचा उतारि बस लग राखि देत। आ दू बजे तक सब गोटे होटल सँ चेकआउटक क्रियाकर्म पूरा करा कए अपन सुटकेस चीन्हि कए बस मे रखबा लेब आ बस मे सवार भऽ जाएब। बस कोनो दशा मे सवा दू बजे विदा भैए जाएत जाहि सँ तीन बजे तक एयरपोर्ट पहुँचल जा सकए। काउन्टर पर सब यात्रीक लेल होटल सँ जलपान पैक करबा कए राखल रहत।

पिरामिडक देश मे

योगेन्द्र पाठक 'वियोगी'

(पछिला दू अंक मे अपने पढ़लियैक मिस्त्रक राजधानी काहिरा के आसपासक इलाका मे हमर तीन दिनक यात्राक अनुभव, जाहि मे मुख्य छल गीजाक पिरामिड परिसर आ स्फिंक्स, पापीरस गैलरी, सकाराक स्टेप पिरामिड आ दहसुरक टेढ़ आ लाल पिरामिडक दर्शन, मेम्फिसक म्यूजियम मे रानी हातसेप्सुतक स्फिंक्स आ फैरो रैमसेस-2 के अनेक मूर्तिक दर्शन, काहिरा शहर मे ईजिप्सियन म्यूजियम मे तूतनखामन के सोनाक ताबूत आ अनेक ममी देखनाइ आ बजार घुमनाइ।)

चारिम दिन 20 सितम्बर 2019। अधरतिए मे होटल छोड़बाक छल आसवानक यात्रा लेल। आसवान मिस्त्रक दक्षिण भाग मे अवस्थित प्रसिद्ध शहर छैक जे प्राचीन समय सँ बनिज व्यापारक प्रमुख केन्द्र रहलैक अछि। थोमस कूकक प्रोग्रामक अनुसार हम सब आब एही दछिनबरिया इलाका मे बस, जहाज आदि सँ घुमैत रहब आ अन्तिम दिन लक्जर शहर सँ फेर हवाइ जहाज द्वारा काहिरा पहुँचि देश आपस जाएब।

पछिला राति मे मात्र तीन घंटा लेल हमरा निन्नक आवाहन नहिए कएल भेल, वेकअप कॉलक भरोसे हम नहिए रहैत छी कारण सुतबा काल आँखिक चश्माक संग कानक चश्मा सेहो खोलि कए राखि दैत छिऐक। तें जगले आ सतर्क रहलहुँ। दू बजे होटल सँ चेकआउट करैत जलपानक पैकेट संग मे लैत गीजाक होटल छोड़ि देल आ बस मे सवार भए काहिरा एयरपोर्ट विदा होइत गेलहुँ।

एयरपोर्ट पहुँचि हमरा आसवान लेल तुरत्ते एकटा पहिलुके फ्लाइट मे जगह भेटि गेल कारण हमर एहि खंडक टिकट बिजनेस क्लासक छल। सम्भवतः थोमस कूक कें सब पसिंजर लेल इकोनॉमी क्लास मे टिकट नहि भेटल हेतैक तें हमर प्रोमोसन भऽ गेल छल। अस्तु, एहि सँ कोनो विशेष लाभ नहि, एतबे जे बिजनेस क्लास मे एक कप नीक गर्म कॉफी भेटि गेल आ काहिरा एयरपोर्ट पर प्रतीक्षा करबाक बदला आसवान पहुँचि एयरपोर्ट पर प्रतीक्षा करए पड़ल। जलपानक पैकेट देखल, किछु बेसिये सामान बुझाएल। अस्तु, हिसाबें निकालि कए खा लेल आ बाकी राखि देल। आजुक प्रोग्राम मे लंच सेहो पैकेटे भेटबाक छलैक कारण बहुत दूरक बस यात्रा छल आ साँझे भेला पर जहाज पर भोजन भेटैत।

ग्रुपक सदस्य लोकनि बादक फ्लाइट सँ बेराबेरी अबैत गेलाह। सब कें एकत्रित करैत सभक सामान बस मे उठबैत प्रायः साढ़े आठ बाजि गेलैक। बस मे चढ़िते थोमस कूकक स्थानीय पार्टनर कम्पनीक लोक लंच पैकेट आ जल सब कें बाँटि देलनि। एतए मोहम्मद अब्दुल्ला नामक गाइड बस मे संग भेलाह। कारी अफ्रिकन मूलक बेस पैघ कायाक व्यक्ति मुदा बहुत हँसमुख, ईजिप्टोलोजीक नीक ज्ञान, अपना काज मे दक्ष आ बहुत परिस्कृत अंग्रेजी बजैत। सब यात्री कें आदर अथवा मजाक मे 'फैरो' सँ सम्बोधन हुनक, माने हुनका लेल तऽ हम सब टूरिस्टे सम्राट छलिएनि। टूरिस्टेक आय सँ हुनको पेट चलैत छलनि आ देशक अर्थ व्यवस्था सेहो। अगिला चारि दिन हिनके संग हमरा सब

कें भ्रमण करबाक छल। गाइडक बुद्धि आ व्यवहार सँ सब गोटे प्रसन्न छलाह आ थोमस कुक कें एहू लेल बधाइ भेटलनि।

गाइड अब्दुल्ला बूझू प्राइमरी स्कूलक मास्टर जकाँ हमरा सब कें इतिहास बुझा रहल छथि, बीच बीच मे प्रश्न सेहो पूछि बैसैत छथि। भाषणक बीच ककरो गप करब हुनका पसिन्न नहि। यात्री सब सेहो मिस्त्रक इतिहास बहुत किछु बूझि पढ़ि कए आएल छथि आ गाइडक बात ध्यान सँ सुनलाक बाद हाथ उठा हुनकर प्रश्नक उत्तर दैत छथि अथवा किछु प्रतिप्रश्न सेहो करैत छथि।

आइ हमरा सब कें जेबाक छल अबू सिम्बेल नामक जगह। ताहि सँ पहिने सकाले ओ सब कें आसवानक हाइ डैम देखबा लेल लऽ गेलखिन। आसवानक ई हाइ डैम आधुनिक आ स्वतंत्र मिस्त्रक कायाकल्प केनिहार प्रोजेक्ट छलैक जहिना स्वतंत्र भारत लेल भाखड़ा-नाँगल सदृश योजना। मिस्त्र मे नील नदीक प्रवेश करितहिं पैघ बान्ह बना कए विस्तृत जलाशय आ जल-विद्युत उत्पादन केन्द्र बनाओल गेल। नेहरूक परम मित्र मिस्त्रक राष्ट्रपति गमाल अब्दुल नासर एकर सूत्रधार छलाह। तें बान्ह सँ बनल जलाशय कें 'लेक नासर' कहल जाइत छैक। हाइ डैम पर ठाढ़ भऽ कए लेक नासरक विशालताक मात्र कल्पना कएल जा सकैत छैक।

नील नदी पर आसवान इलाका मे अंग्रेज शासन मे सेहो एकटा बान्ह बनल छलैक, ओ छैके, मुदा छोट आ पुरान, एकरा आब 'लो डैम' कहल जाइत छैक। नव स्वतंत्र मिस्त्र कें औद्योगिक राष्ट्र बनेबाक दिशा मे बिजली उत्पादन बहुत जरूरी छलैक। ताही दिशा मे काज करैत राष्ट्रपति नासर पहिने स्वेज नहरक राष्ट्रीयकरण केलनि, अंग्रेजक हाथ सँ ओकर स्वामित्व अबिते राष्ट्रक आय सेहो बढ़ि गेलैक। तखन रूसक सहायता सँ नव पैघ डैम बनाओल गेल। गाइड अब्दुल्ला डैम आ लेक सम्बन्धित बहुत रास बात बतबैत छथि जाहि मे मुख्य अछि एखन लेक मे सहसह करैत गोहिक जनसंख्या। गोहि प्राचीन कालहिं सँ नील नदी मे भेटैत रहलैक आ नाविक सब कें सतबैत रहलैक। तें एकरो देवताक खाढ़ी मे राखल गेल। बान्ह बनला पर लेक मे गोहि सब फँसि गेल, दोसर कात जाएत कोना ? प्रजनन चलैत रहलैक आ जनसंख्या बढ़ैत रहलैक। एकर शिकार पर प्रतिबन्ध लागि गेला सँ ई जानवर आओरो छुट्टा भऽ गेल। एखन स्थिति ई छैक जे यदि पति पत्नी मे झगड़ो होइत छैक तऽ धमकी इएह देल जाइत छैक – ''लेक नासर मे फेकि देबौ, गोहिक शिकार बनमे''।

लेक नासरक विशालताक अन्दाज करबा लेल बुझियौ जे एकर जल धारण क्षमता 132 घन किलोमीटर छैक, एकरा तुलना मे भारतक सबसँ पैघ नर्मदा बान्हक जलाशय 'इन्दिरा सागर डैम'क क्षमता मात्र 12.2 घन किलोमीटर छैक। लेक नासर के सतहक घेरा करीब साढ़े पाँच हजार वर्गकिलोमीटर मे पसरल छैक, बूझू एकर तुलना मे भाखड़ाक गोविन्द सागर मात्र 168 वर्गकिलोमीटर छेकने छैक।

एहि जलाशयक बनला सँ मिस्त्रक एहि इलाका मे अवस्थित कएकटा प्राचीन स्मारक ओकरा पेट मे चल गेलैक। एहि मे सँ किछु अति महत्वपूर्ण स्मारक कें ओ लोकनि पूर्ण रूपें एक एकटा पाथर काटि कए उठा कए प्रतिस्थापित कऽ देलनि। ई काज कएल गेल यूनेस्को के तत्वावधान मे अनेको देशक वास्तुकार, इंजीनियर आ तकनीकी विशेषज्ञ

लोकनिक देखरेख मे। एहने प्रतिस्थापित स्मारक अछि अबू सिम्बेल मे उनैसम वंशक प्रतापी सम्राट रैम्सेस-2 के मंदिर।

अबू सिम्बेल आसवान शहर सँ 300 किलोमीटर दूर अवस्थित अछि, हिसाबें लेक नासरक दोसर छोड़ पर, रस्ता सपाट मरुभूमि बाटे। करीब चारि घंटा जेबा मे आ ओतबे फेर घुरबा मे लगैत। एहि यात्रा मे बसक एयरकन्डिसनिंग मसीनक देखभाल लेल अलग सँ मिस्त्री सेहो बस मे चढ़ल गेलाह कारण आइ गर्मी सेहो खूब छलैक आ रस्ता मे मरुभूमिक बीच कोनो तरहक सहायता भेटब असम्भवे।

मरुभूमि मे एतए सड़क एकदम सपाट आ सीधा, बूझू पचीसो किलोमीटर मे कोनो घुमाव नहि। दूनू कात जतेक दूर तक नजरि जाइत छल कतहु कोनो आबादीक चिन्ह नहि। रस्ता मे कतहु कोनो गाड़ी नहि, कखनहु कए एकाधटा मिलिटरी ट्रक मात्र जाइत अबैत।

अब्दुल्ला बतौलनि जे रस्ता मे एहि गर्मी मे मरुभूमिक प्रसिद्ध घटना ‘मृग मरीचिका’ (mirage) देखब सम्भव होएत। ठीके करीब एगारह बजे तक रौद एतेक तेज भऽ गेल छलैक जे मरीचिका देखबा मे आबऽ लागल। किताबे मे एहि घटनाक बारे मे पढ़ने रही मुदा प्रत्यक्षतः आइए देखल। एहि यात्रा मे बूझू ई बोनस भेल।

पूरा रस्ताक बीच मात्र एक ठाम ‘मिडवे’ जकाँ एकटा दोकान जतए किछु ड्रिंक आदि भेटैत आ पाँच पौंड बला पेड शौचालयक सुविधा छलैक। करीब दू घंटाक यात्राक बाद आएल ओ मिडवे। सब गोटे उतरैत गेलहुँ। भारत मे एहन कोनो मिडवे पर अनेको गाड़ी बस लागल रहैत मुदा एतए किछु नहि। एकमात्र हमरा सबहिक बस। कने लेट भऽ गेला सँ दोसर टूरिस्ट बस पहिनहि चल गेल छलैक। एहि मिडवे मे एकटा घर आ तकरा आगू किछु काठक खुट्टा पर चढ़ाओल पातर छाही। मुदा वाह रे मरुभूमिक घरक छाही ! मकइक डाँट उपर मे छिड़िआएल, एतेक हटल हटल जे कहुना छाहरिक बोध होइत। एहि सँ घनगर तऽ बाती आ खरही देल बिन छाड़ल ठाठ हमरा सब बन्हैत छी गाम मे। बरखा तऽ एतए होइते नहि छैक तखन रौद सँ बँचबा लेल एतबो बहुत।

अस्तु, एतए लोक शंका निवारण केलक, किछु गोटे कोल्ड ड्रिंक लेलनि। दस मिनट बाद बस विदा भेल। जेना जेना हम सब अबू सिम्बेलक लग अबैत गेलहुँ, गाम घरक दर्शन होमए लागल। मरुभूमि मे गाम घर तऽ जलक स्रोत ओएह लेक नासर।

करीब डेढ़ बजे हम सब अबू सिम्बेल गाम पहुँचलहुँ। पार्किंग मे बस लगा देल गेल। ओतए सँ हमरा सब कें पएरे करीब आधा किलोमीटर चलि कए ओहि स्थल पर पहुँचबाक छल जतए प्रतिस्थापित मंदिर छलैक। रस्ता मे थोड़ेक दूर तक तऽ दूनू कातक मीनाबजारक छाहरि छलैक। तकर बाद जतए टिकट चेक कएल गेल ओतए एकटा घर ‘विजिटर सेन्टर’ बनाओल। एहि मे प्रतिस्थापन कालक पूरा भीडियो चलैत। तकर बाद रस्ता फेर खुला आ प्रचंड रौद मे।

ई मंदिर अजन्ताक गुफा जकाँ पाथर कें काटि कए बनाओल गेल छलैक ईसा पूर्व तेरहम शताब्दी मे सम्राट रैमसेस-2 द्वारा। एकटा पैघ मंदिर अपना लेल आ बगल मे दोसर छोट मंदिर अपन सर्वप्रिय रानी नेफरतारी लेल। असल मे

मंदिर मे ओहि समयक प्रचलित देवता 'आमुन' (Amun), 'रा-होराख्ती' (Ra-Horakhty) आ 'ता' (Ptah) कें समर्पित छल। 'रा' सूर्य कें कहल गेल छनि।

प्रतिस्थापित करबा लेल पहिने उपरका पाथर कें हल्लुक ब्लास्ट सँ हटाओल गेल। तखन 20-30 टन ओजन के टुकड़ी मे मूर्ति सब कें काटल गेल। एक हजार सँ बेसी एहन टुकड़ी सब कें विशाल किरान द्वारा उठा कए नव जगह आनि फेर एक एकटा टुकड़ी कें बैसाओल गेल। एहि लेल पहिने कृत्रिम पहाड़ी बनाओल गेल आ ओकरा खोह मे पाथरक टुकड़ी सब कें एहि तरहें बैसाओल गेल जे एकदम असली मंदिर बनि गेल। विश्वक धरोहर कें सुरक्षित रखबाक एतेक पैघ स्तर पर एहन भगीरथ प्रयास अन्यत्र कतहु नहि भेल छलैक। सबसँ मुख्य बात छलैक मंदिरक द्वारक दिशा सही राखब जाहि सँ 22 अक्टूबर आ 22 फरवरी कें भोर मे सूर्योदयक समय सूर्यक किरण एकदम भीतरक गर्भगृह पर पड़ैक, जेना कि मूल मंदिर मे होइत छलैक। एहि तारीख कें विद्वान लोकनि रैमसेस-2 के जन्मदिन आ राज्यारोहण दिन सँ सम्बन्धित मानैत छथि।

मुख्य मंदिरक सामने भाग मे रैमसेस-2 के 20 मीटर ऊँच चारिटा विशाल मूर्ति छलैक, प्रवेश द्वारक दूनू कात दू दूटा मूर्ति। एकटा मूर्ति मिस्त्रक प्राचीन भूकम्प मे पहिनहि क्षतिग्रस्त भऽ गेलैक। एकरा एखनहु ओहिना छोड़ि देल गेल छैक। मूर्ति मे सम्राट सिंहासन पर बैसल छथि आ मिस्त्रक दूनू भाग – अपर इजिप्ट आ लोअर इजिप्ट – कें निरूपित करैत जौआँ मुकुट पहिरने छथि। एहने जौआँ मुकुट पहिरने रैमसेस-2 के मूर्ति अन्यत्र सेहो पहिनहिं देखने छलहुँ। भीतर मे विशाल स्तम्भ सब पर मूर्ति, सम्राट द्वारा कएल गेल विभिन्न लड़ाइ के चित्रकारी आदि एखनहु जीवंत छैक। भीतर मे अनेक कक्ष छैक जे सामने सँ अन्दर जाइत छोट होइत जाइत छैक। सबसँ भीतर मे मात्र एकटा कक्ष जे गर्भगृह भेलैक।

तहिना करीब 100 मीटर दूरी पर ओही कृत्रिम पहाड़ीक दोसर भाग मे रानीक मंदिर बैसाओल गेल। ई मंदिर देवता हाथोर आ रानी नेफरतारी कें समर्पित अछि। एकर सामनेक भाग मे प्रवेशद्वारक दूनू कात करीब 10 मीटर ऊँच तीन तीन टा मूर्ति, जाहि मे बीच मे सम्राट आ दूनू कात रानी। एहू मंदिर मे भीतर मे विशाल स्तम्भ सब मे चित्रकारी मुदा ओतेक कक्ष नहि।

मंदिर घुमबा मे लोक कें प्रायः आधा घंटा लगलैक मुदा फेर बस तक आपस जेबा मे समय लगलैक। पाछू सँ देखला पर ई कृत्रिम पहाड़ी एको रत्ती बनाबटी नहि लगैत छैक। अस्तु करीब अढ़ाइ बजे हम सब अबू सिम्बेल सँ विदा लेल।

एक घंटाक मंदिर दर्शन आ आठ-नौ घंटाक बस यात्रा। ओना तऽ साँझ मे आसवान शहर घुमबाक किछु कार्यक्रम छल मुदा यात्री सब कें थाकल रहला सँ एकरा त्यागि देल गेल। हम सब सोझे पहुँचलहुँ अपन जहाज 'क्राउन प्रिंसेस' पर। आब तीन दिन तक एतहि रात्रि विश्राम करबाक छल।

'क्राउन प्रिंसेस' पाँच सितारा होटलक समकक्ष मानल जाइत छैक। पाँच तल्लाक बेस पैघ जहाज, करीब अढ़ाइ सौ पसिंजरक रहबाक व्यवस्था। तकरा सेवा लेल सब प्रकारक कर्मचारी। सबसँ नीचा मे डाइनिंग हॉल छलैक, तकरो

नीचा मे इंजन रूम आदि। तखन चारि तल्ला मे रहबाक कमरा, लॉबी, दोकान, बार, आदि सब किछु। उपरका डेक पर स्विमिंग पूल, आ खुला जगह मे अनेको कुर्सी लागल। एतहु चाह, कॉफी, ड्रिंक आदि उपलब्ध मुदा अलग सँ पैसा देला पर। दुपहरिया मे एक बेर चाह/कॉफी फ्री, माने जहिना होटलक आन भोजन फ्री (दाम तऽ टूरक पैकेज मे देले छलैक)। एहि समय अपन भारतीय यात्री लेल इन्द्रजित अपन रसोइया सँ पकोड़ा, सिंघाड़ा आदि सेहो बनबा लैत छलाह।

एतए रूम सब करीब करीब होटले जकाँ, मात्र कने छोट कारण जगह बचेबाक लेल। रूमक सफाइ सेहो नित्य ओहिना कएल जाइत छैक। खाली इंटरनेट बहुत महग आ पीबाक जल जेना हमरा गीजाक होटल मे भेटैत छल से नहि। तें बाहर सँ जल कीनऽ पड़ल। एतहु डाइनिंग हॉल मे अलग सँ भारतीय व्यंजनक इन्तजाम थोमस कूक केनहि छल, ओकर अपन रसोइया तऽ संगहिं छलैक। हमरा सब लेल किछु टेबुल सेहो रिजर्व रहैत छल आ कहलो गेल छल जे अन्यत्र नहि बैसी। ओना भोजन लेल लोक किछुओ चुनि सकैत छल, कन्टिनेटल, जे अन्य यात्री लेल बनाओल जाइत छलैक, अथवा भारतीय, ई अपना इच्छा पर निर्भर छलैक।

जहाजक सवारी के हमर अनुभव बहुत कमे रहल अछि - किछु घंटाक सवारी अंडमान यात्रा मे केलहुँ, एक टापू सँ दोसर टापू पर जेबा लेल, तहिना इंगलिस चैनल पार करबा काल आ डेनमार्क सँ स्वीडन जेबा काल, ततबे। जहाज पर रात्रि विश्रामक अनुभव पहिले बेर भेल अछि। एतए देखलियैक जे एक बेर भीतर गेला पर आ चेकइन केला पर बाहर जेबा लेल लोक कें एकटा पास देल जाइत छलैक। घुरला पर गेटे पर ओ पास रखबा लेल जाइत छलैक। साधारणतः ई प्रक्रिया तखन बेसी जरूरी रहैत छैक जखन जहाज किछुए समय मे तट छोड़ि देबा लेल तैयार रहैत अछि आ कोनो व्यक्ति कें बाहर जाएब जरूरी भऽ गेलनि। जहाज खुजबा सँ पूर्व सबटा पासक गिनती कएल जाइत छैक जाहि सँ पता चलैक जे कोनो व्यक्ति बाहर तऽ ने छूटि गेल। आइ राति जहाज कें एतहि रहबाक छलैक।

अगिला दिन 21 सितम्बर 2019, सबेरे हम सब जलपानक बाद बस मे सवार भऽ कए गेलहुँ आसवान शहरक एक इलाका जतए फेर छोटका नाओ सँ एकटा टापू पर जाकए फिले (Philae) मंदिर देखबा छल। फिले मंदिर नील नदीक एकटा टापू पर छैक जे पुरना लो डैमक जलक्षेत्र मे पड़ैत छलैक। एहि इलाका मे अनेक छोट पैघ टापू। फिले मंदिरक मूल टापू मुदा जखन डूबऽ लगलैक तखन एकर समस्त मंदिर परिसर कें उठा कए लगेक दोसर उँचगर टापू पर प्रतिस्थापित कएल गेल। नाओ पर सँ गाइड अब्दुल्ला हमरा सब कें मूल फिले टापू देखा देलनि।

फिले मे मंदिर सब मिस्त्रक मूल फैरो (सम्राट) नेक्टानेबो-1 द्वारा ईशापूर्व 370 इस्वी मे देवी इसिस लेल बनाओल गेल। जखन मिस्त्र पर ग्रीक लोकनि शासन करए लगला तखन स्थानीय जनताक विश्वास जितबाक लेल आ ओकरा सब कें अपना दिस मिला कए रखबा लेल ओ लोकनि मिस्त्रक पुरान देवी देवताक नाम पर फेर सँ मंदिर सब बनौनाइ शुरू केलनि। तहिना बाद मे रोमन शासक लोकनि सेहो मंदिर सब बनौलनि। फिलेक मंदिर मुख्यतः टोलेमी-2, टोलेमी-5 आ टोलेमी-6 के शासन काल मे बनाओल गेल।

काहिराक ईजिप्सियन म्यूजियम देखबा काल अनेक टूरिस्ट ग्रुपक बीच हमरा सब कें ईयरफोन देल गेल छल जाहि सँ अपन गाइड कें सुनि सकी। एतए ओ सुविधा नहि आ अनेको ग्रुपक लोक आ गाइड बौआइत। हमर गाइड अब्दुल्ला

सबकें एकठाम जमा कऽ कए फिलेक वर्णन सुनबए लगलाह मुदा लोक सब तऽ फोटो लेबा मे व्यस्त भऽ जाइत छल। भीड़ मे चालीस सदस्य कें एक संग सम्हारि कए राखब कठिन काज छलैक। तथापि ओ हमरा सब कें मंदिरक पहिल प्रवेश द्वार, जाहि मे विशाल गोपुर (pylon) बनल छलैक, फेर भीतर के विशाल आङन, तखन दोसर गोपुर होइत अन्त मे छोट गर्भगृह देखौलनि। गर्भगृह मे एखन मात्र ग्रेनाईटक चबूतरा टा छैक। कोनो समय मे एहि चबूतरा पर देवी इसिसक मूर्ति रहल हेतनि।

आङन मे एक कात अनेको छोट छोट कमरा सब छैक जे कहियो पंडित लोकनिक निवास रहल हेतनि। संगहि कात मे सेहो विशाल स्तम्भ सब छैक। गाइड अपन काज समाप्त कऽ कए फोटो लेबा लेल अलग सँ बीस मिनट समय देलखिन। अस्तु हम सब ओतए सँ फेर नाओ पर चढ़ि कए बस पार्किंग बला जगह अबैत गेलहुँ।

अगिला भ्रमण स्थल छल एतुका प्रसिद्ध ईजिप्सियन कॉटन के दोकान। मिस्रक सूती वस्त्र विश्व प्रसिद्ध छैक से सबकें बूझल छल। मुदा गाइड कहलनि जे साधारणतः दोकान सब मे एखन खाली चीनी सामान (जकरा ओ मजाक मे आर-ओ-सी, माने रिपब्लिक ऑफ चाइना कहैत छलथिन) भरल छैक आ सुच्चा ईजिप्सियन कॉटन सब ठाम नहि भेटैत छैक। एहि मे हमरा सब कें कोनो अतिशयोक्ति नहि बुझाएल कारण चीनी सामानक बाढ़ि तऽ विश्वक हरेक गली कूची मे देखबा मे अबिते छैक।

अस्तु, हम सब एकटा एहन सुच्चा कपड़ाक दोकान मे प्रवेश केलहुँ। सत्ते एतुका वस्त्र देखि सन्देह मेटा गेल। मुदा वस्त्र सबहक दामो तहिना ऊँच। कोनो हाफ शर्ट 900 पौंड (माने करीब 4000 रुपैया) सँ कम नहि। थोड़ेक काल तक तऽ प्रायः सब गोटे घुरिआइते रहलाह मुदा किछु गोटे कीनब शुरू केलनि तऽ हमरहु धाख छूटल। नाति नातिन लेल टीशर्ट कीनल, क्रेडिट कार्ड सँ पेमेंट कएल।

समय कम छल, लंच तऽ जहाजे पर करबाक छल मुदा बेसी महत्वपूर्ण छलैक जहाज कें डेढ़ बजे छुटबाक समय। तें अब्दुल्ला सब कें समेटि बस मे ढुका लऽ अनलनि जहाज पर। आसवान शहर छोड़ि देल। आब जहाजे पर सब किछु।

एहने समय लेल पैघ समुद्री यात्रा मे लोक जहाजक लाइब्रेरीक उपयोग करैत रहल होएत। हमर लाइब्रेरी किन्डल मे छल। रौद बेसी रहला सँ उपरका डेक पर जाएब सम्भव नहि। रूम एयरकन्डिसन्ड छले। बस, खिड़कीक पर्दा हटा देल आ बैसि कए नील नदीक किनाराक बदलैत दृश्यक आनन्द लेबऽ लगलहुँ।

सूर्यास्त सँ किछु पहिने हम सब पहुँचलहुँ ''कोम ओम्बो'' मंदिर लग। आब हम सब उत्तर दिशा मे चलैत आसवानक बान्ह सब के जलक्षेत्र सँ बहुत दूर चलि आएल छलहुँ आ मंदिर सब मूले स्थल पर अवस्थित छैक। एहि मंदिर कें ''स्वास्थ्य लाभक मंदिर'' सेहो कहल जाइत छैक। प्राचीन काल मे दूर दूर सँ बीमार लोक एतए अबैत छल, चढ़ौआ चढ़बैत छल आ अपन नीरोग हेबाक कामना करैत छल।

कोम ओम्बो मन्दिर कें जोड़ा मन्दिर सेहो कहल जाइत छैक कारण एतए दूटा देवता लेल एक समान सटले-सटल दूटा मन्दिर बनलैक। एकटा मन्दिर मे गोहि देवता 'सोबेक' लेल, जिनका प्रजननक देवता सेहो बूझल जाइत छल। दोसर

मन्दिर अछि बाज देवता 'हारोरिस' लेल। एतए घुमैत साँझ परि गेलैक आ बहुत रास मन्दिर परिसर हम सब बिजलीक प्रकाशे मे देखल, ई नव अनुभूति भेल।

ई मन्दिर सब ग्रीक शासनक समय बनाओल गेल छलैक। कतेको चित्र आ मूर्ति कें देखा कए गाइड हमरा सब कें बुझौलनि जे ग्रीक लोकनिक बनाओल चित्र मे नारीक शरीरक विभिन्न अंगक अनुपात पुरान जमानाक मिस्त्र मे बनाओल चित्र सँ बहुत भिन्न छैक। ग्रीक लोकनि महिलाक वक्ष कें बेस पैघ बनाकए वक्षाग्र पर्यन्त कें देखनुक बना अनावृते छोड़ि दैत छलखिन। मुस्लिम संस्कृति मे जनमल भीजल अब्दुल्ला कें ई ढंग नीक नहि लागि रहल छलनि।

एहि मन्दिर मे ओहि जमाना मे व्यवहृत शल्य चिकित्साक औजारक चित्र सब बनाओल छैक। एतए ओहि प्राचीन समय मे प्रसव काल महिला लोकनि कें कोन तरीका सँ बैसाओल जाइत छल तकर एकटा चित्र देखल। गाइड अब्दुल्ला हमरा सब कें बुझा देलनि जे ई तरीका आब फेर लोकप्रिय भऽ रहल छैक। हमरा ग्रुप मे एकटा तमिल महिला गाइनेकोलोजिस्ट छलीह। ओ एकर समर्थन केलखिन।

मन्दिर परिसर मे पहिल बेर देखल नाइलोमीटर (Nilometer) जे एकटा इनार जकाँ होइत छलैक। प्राचीन काल मे एहि इनारक जल स्तर सँ प्रशासन कें ई बुझबा मे अबैत छलैक जे नील नदी मे एहि बेर कतेक पानि एलैक, ओहि हिसाबें जनता कें खेतीक उपजा केहन भेल हेतैक। ताही हिसाबें कर ओसूल कएल जाइत छलैक। यदि पानि कम रहलैक तऽ नीक उपजा नहि भेला सँ लोक कें कमे कर देबऽ पड़ैत छलैक। एतेक संतुलित आ वैज्ञानिक कर व्यवस्था विश्वक प्राचीन इतिहास मे अन्यत्र भेटब कठिन। एतहि क्रोकोडाइल म्यूजियम देखल जतए एकटा हॉल मे बहुत रास गोहिक ममी बना कए राखल छलैक। मनुष्यक ममी तऽ काहिराक म्यूजियम मे देखने छलहुँ, गोहिक ममी एतहि देखल, ई विश्व मे अद्भुते अछि।

हमरा सब एखन जहाजक पंछी बनि गेल छी – जैसे उड़ि जहाज की पंछी पुनि जहाज पे आबै। सएह गति। अस्तु, मन्दिर भ्रमणक बाद घुरि अबैत गेलहुँ जहाज पर। जहाज राति मे एतए सँ विदा भऽ जेतैक से बता देल गेल। संगहि ईहो जे बहुत सकाले एडफू मंदिरक दर्शन करबा लेल तैयार होमए पड़त। साढ़े चारि बजे भोरे बार मे चाहक व्यवस्था भेल रहतैक। कोनो दशा मे पाँच बजे जहाज छोड़ि सड़क पर आबि जेबाक छल। बर बेस, भोजनक बाद रात्रि विश्रामक तैयारी मे लागि गेलहुँ।

जहाज पर अन्तिम दिन, 22 सितम्बर। जहाज राति मे कखन चललैक आ कखन एडफू पहुँचि गेलैक से नहिए बुझलियै मुदा सकाल मे तैयार भऽ साढ़े चारि बजे चाह पीबा लेल सब गोटे जमा भए गेलहुँ। ठीक समय पर सड़क पर अबैत गेलहुँ। थोमस कूकक व्यवस्था मे कतहु कोनो कोताही नहिए रहैत छलैक। सड़क पर चारि सीट बला बहुत रास टमटम सब ठाढ़। एडफू मन्दिर जहाज सँ करीब डेढ़ किलोमीटर दूर छलैक तें सबके टमटम सँ ओतए जेबाक छल। लोक अपना हिसाबें चारि गोटेक ग्रुप बना लेलक। आ टमटम सब दौड़ए लागल। किछुए दूर गेला पर मंदिर परिसरक दर्शन होमए लागल। परिसर बहुत पैघ। एतेक सबेरे तैयार होइतहु मंदिर परिसर पहुँचैत हम सब अन्य ग्रुपक यात्री सबसँ कने पछुआइये गेलहुँ। गेट तऽ छओ बजे खुजबाक छलैक मुदा लोक लाइन मे पहिनहि सँ लागल। हमहूँ सब लाइन मे लगैत गेलहुँ।

अस्तु, गेट खुजलाक बाद सब ग्रुप मे अपन अपन गाइड सब जगह बना कए लोक कें मदिरक इतिहास आदि बतबए लगलखिन। हमरो लोकनिक गाइड अब्दुल्ला कमान सम्हारलनि, सब गोटे कें घेरा मे ठाढ़ कऽ कए मंदिरक सब जानकारी विस्तार सँ दऽ देलनि। तकर बाद लोक स्वतंत्र छल अपना हिसाबें घुमबा लेल आ जतेक इच्छा होइ से फोटो घिचबा लेल।

एडफू मंदिर ग्रीक शासनक समय मे बनल छलैक जे टोलेमी-3 के समय शुरू भेल आ टोलेमी-12 के समय मे बनि कए तैयार भेल। एकर पहिल गोपुर 37 मीटर ऊँच आ 70 मीटर चौड़ा छैक जकरा बीच मे प्रवेश द्वार बनल छैक। सामने मे दूटा बाजक मूर्ति। एकटा कने खंडित भऽ गेल। गेटक आगू भीतर मे विशाल आङन। ताहि मे तीन कात बरामदा जकाँ अनेको स्तम्भ बनल। भीतर मे एकटा बाजक मूर्तिक नीचा सम्राट टोलेमी-12 ठाढ़ छथि।

ई मन्दिर देवता 'होरस' कें समर्पित अछि जे एतए बाज के रूप मे प्रतिष्ठित छथि। मंदिरक सबसँ भितरका भाग, गर्भगृह, मे एकटा ग्रेनाइटक चबूतरा पर हिनक पवित्र नाओ राखल रहैत छलैक। वर्ष मे दू बेर एतए सँ नाओ पर नील नदी मे जुलूसक संग होरस कें बाहर निकालल जाइत छल आ डेन्डारा सँ हिनक पत्नी देवी 'हाथोर' ओहिना नाओ पर जुलूसक संग अबैत छलखिन। एहि समय समूचा मिस्त्र मे खूब उत्सव मनाओल जाइत छलैक। पत्नी सँ मिलनक बाद एक सप्ताह तक दूनू गोटे एडफू मे रहैत छलाह। तकर बाद फेर हाथोर कें डेन्डारा पठा देल जाइत छलनि।

एडफूक मन्दिर बहुत दिन तक नील नदीक गादि आ मरुभूमिक बालु सँ झाँपल रहलैक। एतेक तक जे एकरा उपर लोक सब घर सेहो बना लेलक। कतोक पाथरक टुकड़ी लोक सब अपन घर बनेबा मे उपयोग कऽ लेलक। उनैसम शताब्दी मे जखन मिस्त्र मे फ्रेंच लोकनि अएलाह आ प्राचीन स्मारक सबहक खोज शुरू भेल तखन एकरो पता चललैक। फेर एहि जगह कें अवैध कब्जा सँ मुक्त कराओल गेल आ पूरा परिसर के सफाइ भेल। वर्तमान मे ई मन्दिर मिस्त्रक सब स्मारक सँ बेसी नीक सुरक्षित अछि। मंदिरक किछु भाग मे एखनहु गादि मे डुबलाहा भागक चिन्ह भेटैत छैक। रोमन साम्राज्यक प्रारम्भिक समय मे जखन ईसाइ धर्मक अतिरिक्त आन धर्म कें 'पागान' घोषित कऽ देल गेल आ दूनू मे धर्मयुद्ध शुरू भेल तखन कतेको ईसाइ मिसनरी एहि मन्दिर मे नुका कए रहैत छलाह।

मंदिर देखि हम सब करीब आठ बजे तक जहाज पर घुरि अएलहुँ। जलपान केलाक बाद एखन बेसी लोक डेक पर चल गेल। भरि दिन आब जहाजे पर रहबाक छलैक। किछु लोक स्विमिंग पूलक मजा लेलनि। किछु अन्य अपन चाह कॉफी आदि पीबैत नदीक दूनू कातक गाम घरक दृश्य देखैत रहलाह। असल मे थोमस कूकक बनाओल प्रोग्राम मे तीन दिनक 'नील क्रूज' के असली मजा लोक एखने लऽ रहल छल।

एहि बीच एकटा खेला शुरू भेल। एकटा छोटका नाओ (डोंगी) हमरा सबहिक जहाज मे बन्हा गेल। ओहि मे दूटा स्थानीय युवक हमरा सब कें आकर्षित करैत चिचिया रहल छलाह जे हुनका सँ किछु कीनी। ओ सब बेडशीट, टेबुलक्लॉथ आदि बेचि रहल छलाह। सामान सब तऽ ओएह चीनी माल (अब्दुल्लाक भाषा मे आरओसी, republic of china, बला) मुदा आब लोक बचि कए कतए जाएत ? सब तरि तऽ ओएह सामान कीनैत छी, दीपावलीक गणेश आ लक्ष्मीजीक मूर्ति सँ लऽ कए सालो भरिक सजावटक बिजलीक सामान तक। संकेतक भाषा मे मोल मोलाइ चलए लागल। हमरा ग्रुपक किछु गोटे एहन सामान किनबो केलनि। सामान ओ सब प्लास्टिकक बैग मे बान्हि एहन साधल

लक्ष्य सँ उपर फेकैत छलथि जे ओ सीधे डेक पर पहुँचि जाइत छल। यदि डेक सँ कियो हुनका सामान घुरा देलखिन तऽ ओहो ओहिना डोंगी पर फेकि दैत छलखिन आ ओ स्थानीय व्यक्ति आराम सँ ओकरा लौकि लैत छलाह। तहिना ओकर दाम सेहो एकटा चद्दरि मे बान्हि डेक पर सँ नीचा फेकि देलक लोक आ बेचनिहार लोकि लेलनि ओकरा।

बाट मे करीब बारह बजे ‘एसना’ शहर लग एकटा लॉकगेट आएल जतए नदी पर बान्ह बनल छलैक। एतए जहाज कें ओहि लॉकगेट बाटे जेबाक दृश्य सेहो मनोरंजक छल। लॉकगेट सँ पास हेबा मे जहाज सबहक लाइन लागल छलैक। बेराबेरी सब निकलि रहल छल। एतए एक घंटा सँ बेसी समय लागि गेल। लुकझुक साँझ मे जहाज लक्जर शहरक बाहरी इलाका मे एक ठाम किनार लागल। एतए बहुत नीक बाग बगीचा लागल। आब हमरा सबहिक नदी यात्रा शेष भेल मुदा राति आइयो जहाजे पर बितेबाक छल। आब जहाज सँ बाहर जेबा मे कोनो पासक आवश्यकता नहि। ने जहाज कें कतहु जेबाक छलैक आ ने यात्री कतहु बेसी दूर भागि सकैत छल। अगिला दिन बहुत भोरे कोनो प्रोग्राम सेहो नहि छलैक। भोजनोपरान्त यात्री लोकनि एहि नदी यात्राक खुसी मे बहुत नाच गान करैत गेलाह। तकर बादे रात्रि विश्राम भेल।

पिरामिडक देश मे

योगेन्द्र पाठक 'वियोगी'

(पछिला तीन अंक मे अपने पढ़लियैक मिस्र यात्राक हमर छओ दिनक अनुभव जाहि मे काहिरा-गीजा इलाकाक पिरामिड, ईजिप्सियन म्यूजियम देखलाक बाद हम सब देशक दछिनबरिया भाग मे आसवान शहर आबि गेलहुँ। एहि इलाका मे नील नदी पर जहाज सँ यात्रा करैत अबू सिम्बेल, फिले, कोम ओम्बो, एडफू आदि जगहक मन्दिर सब देखल। आब समापन किस्त।)

सातम दिन 23 सितम्बर 2019, थोमस कूक के टूरक अन्तिम दिन। सबेरे जलपानक बाद सब गोटे 'क्राउन प्रिंसेस' जहाज सँ चेकआउट करा कए सामान बस मे रखबाओल। आइ दिन भरि बसे मे यात्रा करबाक छल आ साँझ मे होटल निवास।

नील नदीक पश्चिमी कात पहाड़ीक अढ़ मे बसल छैक 'वैली ऑफ किंग्स'। पिरामिडक रूप मे कब्र बनाएब प्रायः छठम वंशक बाद बन्द भऽ गेलैक, राजाक प्रताप घटए लगलनि आ सम्पत्तिओ ओतेक नहि रहलनि जे बहुत पैघ स्मारक सब बनबितथि। बारहम वंशक बाद जखन फेर कब्र सब मे चोरिक घटना बहुत बढ़ि गेलैक तखन फैरो लोकनि सोचलनि जे कतहु एहन ठाम गुप्त जगह मे कब्र बनाओल जाए जे चोर कें पता नहि चलैक। एही क्रम मे खोज कएल गेल वर्तमान लक्जर शहर के पास नील नदीक पश्चिम भाग मे चट्टानक मध्य किछु पहाड़ी इलाका जतए जाएब दुर्गम छलैक आ सभ्यता सँ दूर रहला सँ हिसाबें सुरक्षित सेहो छलैक।

बस सँ हम सब विदा भेलहुँ एहि घाटीक दर्शन करबा लेल। रस्ता मे शहर छोड़लाक बाद आबऽ लागल गाम-घर आ ओकर खेती-बारी। ओना तऽ जहाज पर सँ नदीक किनारक किछु गाम देखल छल मुदा एतेक नजदीक सँ नहि आ खेत मे लागल जजात तऽ चिन्हल नहिए गेल छल। बान्ह बनला सँ पहिने नील नदी मे बाढ़ि अबैत छलैक आ इएह बाढ़ि एतुका सभ्यताक खेतीक आधार छलैक। तें कृषि सभ्यता ओतबे दूर तक पसरलैक जतेक दूर तक बाढ़िक पानि सँ पटौनी सम्भव होइत छलैक। बान्ह बनलाक बाद परिदृश्य बदलि गेलैक। आब दूर दूर तक नहरि खुना कए पानि पहुँचाओल जाए लागल। खेतीक क्षेत्रफल मे बहुत वृद्धि भेलैक। मरुभूमिक भाग सेहो हरियर होमए लागल।

देखल जे एहि इलाका मे माटि कारी, जहिना अपना देशक महाराष्ट्र आदि मे भेटैत छैक। एहन माटि मे कुसियार आ बाङ (कपास) खूब उपजिते छैक। मिस्र मे सेहो एहि दूनूक खेती नामी छैक। बाङक गुणवत्ता सँ एतुका सूती वस्त्र विश्व प्रसिद्ध भैए गेल छैक। खेत मे एहि दूनू जजातक फसल एखनहु देखबा मे आएल। एकर अतिरिक्त धान, मकई, तिल, गहूम, आलू, प्याज, अल्हुआ, टमाटर आदि सेहो खूब उपजैत। बंधाकोबीक खेत देखलहुँ जाहि मे छोट छोट फर लागल। अब्दुल्ला बतौलनि जे बंधाकोबी एक फुट व्यासक गोला जकाँ आ चारि पाँच किलो ओजन तक के होइत छैक। फल मे अंगूर, लताम, संतोला आदि उपजैत छैक। आम आ खजूर तऽ पहिनहि देखि लेने छलियैक।

गाम घरक रस्ता छलैक। स्कूल जाइत बच्चा सब। एतहु स्कूल दू तरहक – सरकारी आ निजी। वित्तक हिसाबें लोक अपना बच्चा कें जे कोनो स्कूल मे पठेलक। टूरिस्ट अर्थव्यवस्थाक कारण सड़क सब ठाम नीक।

अस्तु, देहातक एहि दृश्य सब कें देखैत हम सब पहुँचलहुँ छोट पैघ पहाड़ीक शृंखलाक बीच बहुत घुमावदार रस्ता सँ एकटा पैघ पार्किंग इलाका मे। पहिनहि सँ चट्टान सब मे खोह सब काटल देखा रहल छल। अब्दुल्ला बतौने जा रहल छलाह जे ईहो सब ओही वैलीक अंग छिऐक, सब खोह कोनो ने कोनो व्यक्तिक कब्रे छिऐक आ एखनहुँ खुदाइ चलिये रहल छैक। ईसा पूर्व सोलहम शताब्दी सँ लऽ कए एगारहम शताब्दी तक प्रायः पाँच सौ वर्षक अवधि मे नवीन साम्राज्यक अठारहम सँ बीसम वंशक अनेको फैरोक कब्र एहि घाटी मे बनल। एकर अतिरिक्त हुनका लोकनिक लगुआ भगुआ तथाकथित 'कुलीन' परिवारक लोक सब सेहो एतए कब्र लेल जगह पौलनि। से फैरो आमनहोतेप-1 सँ लऽ कए रैमसेस-11 तक के करीब 60 सँ उपर कब्र भेटि गेल छैक मुदा कतेक छैक से सबटा एखनहुँ बूझल नहिए भेलैक अछि।

बस सँ उतरि इन्द्रजित हमरा सब कें तीनटा कब्र देखबाक टिकट पकड़ा देलनि। किछु विशेष कब्र, जाहि मे मुख्य छल तूतनखामन के कब्र, देखबा लेल यात्री कें अलग सँ अपनहि टिकट किनबाक छलैक। किछु गोटे एहन टिकट कीनैत गेलाह। टिकट हाथ मे लेने हम सब दू डिब्बा बला बैटरी चालित खुला ट्राम सदृश गाड़ी पर सवार भेलहुँ। ई हमरा सब कें करीब 400 मीटर दूर कब्र समूहक परिसर के गेट तक पहुँचा देलक। रौद मे एतबो सहायता बहुत भेलैक। अब्दुल्ला पहिनहि सब बात बुझा देने छलाह। ओ गेटक भीतर नहि गेलाह। लोक अपनहि जाइत गेल। कब्र सब मे आब छैक तऽ किछुओ नहि मुदा पहाड़ी मे काटल विभिन्न सुरंग, किछु सपाट, किछु बहुत नीचा दिस जाइत, ओकर देवाल पर कएल चित्रकारी, जे ओहि फैरोक विजय गाथा सब छलनि, आ अन्त मे कब्रक स्थल आदि लोक देखैत छल आ आश्चर्यचकित होइत छल।

रौद बहुत तेज छलैक आ वृक्ष विहीन चट्टानी पहाड़ी इलाका मे खुला मे बहुत काल ठाढ़ रहब सम्भव नहिए। तें लोक जेना जेना कब्र देखैत गेल, तेना तेना घुरि कए गेट लग बनल बस अड्डा सदृश छाहड़ि बला जगह मे सुस्तेबा लेल आबि गेल।

सब गोटेक जमा भेलाक बाद एतए सँ हम सब गेलहुँ रानी हेत्सेप्सुतक मंदिर। ई मंदिर तऽ बूझू पूर्णतः नष्ट भऽ गेल छलैक। एकरा पोलैंडक एकटा वास्तुकार द्वारा 1961 सँ 2008 धरि पुनरुद्धार कएल गेल। ओ वास्तुकार महोदय एहन निर्जन स्थल मे, बुझियौ भुतहा कि मरचरही घाटी मे, जतए चारू कात कब्रे कब्र छलैक, घर बना कए एतेक दिन रहि गेलाह। धन्य कही हुनक कर्तव्यबोध आ मिस्त्रक प्राचीन स्मारक सँ प्रेम कें। कोनो ऐतिहासिक स्मारक कें पुनरुद्धार करबाक ईहो एकटा रेकॉर्डे हेतैक प्रायः। अस्तु, एतेक दिनक परिश्रमक बाद एहि तीन तल्ला मंदिर मे बहुत किछु सुधरि गेलैक अछि, दोसर तल्लाक सात टा स्तम्भ मे रानीक ठाढ़ भेल मूर्ति सब लगाओल जा चुकल छैक। तैयो काज बाकिए छैक।

एतहि वैली ऑफ किंग्स के दर्शन शेष भेल। तकर बाद लगैक एकटा गाम मे पाथरक स्थानीय कलाकारक कारखाना देखबा लेल जाइ गेलहुँ। ई कलाकार सब एखनहुँ प्राचीन पद्धतिक औजार, छेनी, हथौड़ी आदि सँ तरासि कए दर्शनीय

वस्तु सब तैयार करैत छथि। एहि मे अलाबास्टर नामक पाथर, जे देखबा मे संगमरमर सदृश होइत छैक आ जकर पातर टुकड़ी कने पारदर्शक होइत छैक, सँ बहुत नीक कलाकृति बनैत छैक। काज देखलाक बाद बगल मे दोकान जाइत गेलहुँ। एतए बड़का हॉल मे ताख सब पर अनेक छोटपैघ कलाकृति सजाओल। जाहि आकारक पिरामिडक अनुकृति हम काहिराक बजार मे 60 ईजिप्सियन पौंड मे छओटा किनने रही, एतए एक-एकटाक दाम 200 पौंड। अन्तर एतबे जे ई स्थानीय कलाकार द्वारा पाथर कें तरासि कए बनाओल छल आ हमर वस्तु बहुत सम्भव चीन देश सँ आयातित छल। अलाबास्टरक छोट लैम्पशेड 800-1000 पौंडक दाम बला।

हमरा किछु किनबाक नहि छल। ठंढा जगह पर सोफा पर बैसल रहलहुँ जाबत ग्रुपक अन्य सदस्य लोकनि अपन अपन बेगरताक हिसाबें वस्तु किनलनि। दोकान नीक छलैक, विश्वासी, लोक कार्ड सँ पेमेंट कऽ सकैत छल आ वस्तु कें नीक पैकिंग करा कए देल जाइत छलैक। एखन तक, बूझू आब अन्त तक, थोमस कूकक स्थानीय एजेंट लोकनि हमरा सब कें तीनटा जगह बजार करबा लेल लऽ गेलाह __गीजा मे इत्रक दोकान, आसवान मे सूती वस्त्रक दोकान आ एतए असली पाथरक कलाकृतिक दोकान। इत्रक दोकान मे गुणवत्ता हमरा बुझबा मे नहि आएल मुदा आन दू ठाम अवश्ये विश्वासी आ असली चीजक दोकान छलैक, दाम जे लगौक। थोमस कूकक एहि व्यवहार सँ ग्रुपक सब सदस्य प्रसन्न छलाह।

इलाका छोड़लाक बाद रस्ता मे एक ठाम खंडहर लग पहुँचलहुँ जे असल मे फैरो आमेनहोतेप-3 के विशाल मूर्तिक जगह छलैक। एतए बैसल मुद्रा मे 18 मीटर ऊँच हुनक दू गोट मूर्ति छैक जे उपर मे बहुत किछु नष्ट भऽ गेल छैक। तैयो जगह रस्ते पर छलैक आ टूरिस्ट सब कें एहन वस्तु आकर्षित करबे करैत छैक। बस रुकलै, लोक उतरि किछु फोटोग्राफी करैत गेल। तखन करीब आधा घंटाक बाद हम सब लक्जर शहर मे भोजन लेल एकटा पाँच सितारा होटल पहुँचलहुँ। ई होटल हमरा सबहिक रात्रि विश्राम लेल नहि छल मुदा एतए विशेष भारतीय भोजनक व्यवस्था कएल गेल छल। सब गोटे तृप्त भावें भोजन करैत गेलहुँ। पर्याप्त मात्रा मे नीक दही एतए सबकें भेटलैक। दही तऽ छलैक आनो ठाम मुदा ग्रुप मे तमिल लोक बहुत बेसी रहला सँ अनका मौका कमे लगैत छलैक। दही पर तमिल सब ओहिना टूटि पड़ैत छल जेना चीनी पर चुट्टी। एतए मुदा ककरो दहीक अभाव नहि भेलैक। थोमस कूकक बिजनेस मॉडल मे ई व्यवस्था कोना फिट केलक से तऽ ओएह सब जानथि मुदा यात्री भूरि भूरि प्रशंसा केलकनि।

भोजनोपरान्त टूरक अन्तिम भाग मे आब हमरा सब कें शहरक बगले मे कर्नाक (Karnak) मन्दिर आ तखन शहरक भीतरे लक्जर मन्दिर देखबाक छल। लक्जर मन्दिर लग बाटे हम सब दू बेर गुजरि गेल छलहुँ आ बस मे अब्दुल्ला ओकर खिस्सा सेहो सुनाइये देने छलाह।

कर्नाक मन्दिर जाइत काल लोक थाकल बुझा रहल छल, सुअदगर भारतीय भोजन जरूरति सँ बेसिए पेट मे ढुका देने छलैक। किछु यात्री तऽ नखरा करए लगलाह ''नो मोर टेम्पुल्स''। मुदा सबकें बूझल छलैक जे टूरक अन्तिम भाग मे इएह दूनू मन्दिरक भ्रमण करबाक छलैक। दू तीन गोटे तऽ बसे मे बैसल निन्न पूरा केलनि, कर्नाक मन्दिर नहिए देखलनि।

अस्तु, हम सब कर्नाक मन्दिर परिसर गेलहुँ। जेना कि अब्दुल्ला बतौने छलाह, एतए सँ एकटा गैलरी जकाँ रस्ता शहरक भीतर अवस्थित लक्जर मन्दिर तक बनल छलैक। साल मे एक बेर राजाक जुलूस एतए सँ लक्जर मन्दिर जाइत छलैक। आब तऽ शहर मे कतेक ठाम ओहि रस्ता पर मकान बनि गेल छैक।

कर्नाक मे मुख्य मन्दिर छैक देवता आमुन के, जे फैरो तुथमोसिस-1 द्वारा बनबाओल गेल छलैक। एतए विभिन्न देवी देवता जेना कि ता (Ptah), मुत (Mut), मोन्तू (Montu), ओसाइरिस (Osiris), खोन्सू (Khonsu) आदि के मन्दिरक अतिरिक्त रैमसेस-2 के मन्दिर सेहो छैक। एतुका मन्दिर सब मध्य साम्राज्य सँ लऽ कए यूनानी वंशक टोलेमी साम्राज्य तक प्रायः डेढ़ हजार वर्ष सँ बेसी अवधि मे बनैत बिगड़ैत रहलैक। बिगड़ैत एहि दुआरे जे किछु मन्दिर जे एक फैरो बना गेलाह ओकरा अगिला फैरो तोड़बा दैत छलखिन। सब मिला कए करीब 30 फैरो एहि मन्दिर समूहक निर्माण मे योगदान देलखिन।

एहि मन्दिर मे पहिल बेर देखल पवित्र सरोवर, जे एखन तक अन्यत्र कतहु नहि भेटल छल। एकर अतिरिक्त अनेक स्तम्भ (मीनार, Obelisk) जाहि मे आब बाँचल तीनेटा छैक। एकटा टूटि कए खसि पड़लैक से ओतहि राखल छैक। ई स्तम्भ चौकोर होइत छैक आ उपर गेला पर चौड़ाइ कने घटैत जाइत छैक। चोटी पर पिरामिडक आकारक नुकीला टोपी रहैत छैक। पूरा स्तम्भ एके पाथरक टुकड़ी सँ बनाओल जाइत छलैक। एहि पर हाइरोग्लाइफिक लिखावट मे फैरो लोकनिक विजया गाथाक खिस्सा सेहो लीखल रहैत छलैक।

समयक मारि सहैत बहुत स्तम्भ नष्ट भऽ गेलैक। जे बचलैक से विश्व मे सब ठाम छिड़िया गेल। किछु तऽ विजयी देशक राजा लोकनि उठा कए अपना देश लऽ गेलाह, किछु मिस्त्रक शासक लोकनि स्वयं दान मे अथवा राजनयिक सम्बन्धक अन्तर्गत दोसर देश पठबा देलखिन। एहन एकटा स्तम्भ हम सब फ्राँस मे पेरिसक कन्कॉर्ड प्लेस मे देखने छलहुँ। ओहि समय एतेक ठीक सँ बूझि नहि पौलियैक। आब पता लागल जे नेपोलियन ओ स्तम्भ लक्जर मन्दिर सँ उठा कए लऽ गेल छलाह। जखन रोमन साम्राज्यक अधिकार भेलैक तखन ई स्तम्भ हुनका सब कें ततेक नीक लगलनि जे कर्नाक मंदिरक देवाल तोड़ि कए उठा लेलनि। इटली मे तेरह टा स्तम्भ छैक जाहि मे वैटिकन सिटीक स्तम्भ सेहो सामिल अछि। इटलीक अतिरिक्त वर्तमान मे एहन स्तम्भ तुर्की, इंगलैंड, अमेरिका, पोलैंड, इसराइल आदि अनेक जगह सब पर छैक। जे बाँचल छैक तकर कलाकृति एखनहुँ लोक कें अचम्भित करैत छैक।

कर्नाक सँ घुमैत हमसब पाँच बजे लक्जर मन्दिर पहुँचलहुँ। आब समय बहुत कम छलैक आ प्रायः सब किछु एके तरहक। एतए किछु लोक मंदिर देखबाक बदला चल गेलाह बजार करए, कारण मिस्त्र मे ई अन्तिम दिनक अन्तिम भाग बचल छलनि। बजार बगले मे। एक घंटा मात्र समय। छओ बजे बस होटल लेल विदा हेबे करितैक।

होटल मे चेकइनक सब इन्तजाम पहिनहि सँ थोमस कूकक स्थानीय एजेंट कऽ लेने छलाह। एतए ने पासपोर्ट जमा करए पड़ल ने आन कोनो झंझट। साँझ मे रूम सब तऽ तैयारे छलैक। बस, एकाएकी चाभी लैत गेलहुँ। सबहक लेल अगिला दिनक जलपानक इन्तजाम सेहो करा देल गेल। जिनका अहलभोरे फ्लाइट छलनि तिनका लेल पैक डिब्बा तैयार भेटतनि।

हमर टूर एखन एक दिन आर छल मुदा हम ई पाँच सितारा होटल छोड़ि रहल छलहुँ। अन्तिम रातिक लेल एकटा 'बजट' (सस्ता) होटल लेने छलहुँ। अगिला दिन हमरा बहुत दूरक टूर पर जेबाक छल। प्रोग्रामक अनुसार हमरा मेम्फिस टूरक गाड़ी मे छओ बजे भोरे निकलबाक छल आ ओतेक सबेरे होटल मे जलपान सम्भव नहिए होइत तें डिब्बा बन्द विकल्प चूनल। हमहूँ अपन नाम ओही लिस्ट मे लिखाओल।

राति मे भोजन फेर दिने बला होटल मे करबाक छल। ई अन्तिम भोजन छल थोमस कूक दिस सँ। दूनू होटलक दूरी प्रायः दू किलोमीटर। बस सँ जाइत गेलहुँ। भोजनक बाद इन्द्रजित ग्रुपक किछु सदस्यक जन्मदिनक लेल एकटा पैघ केक कटबौलनि, किछु धन्यवाद ज्ञापन यात्री लोकनि आ थोमस कूक दूनू दिस सँ भेलैक। सब कें अभिवादन करैत लोक सब विदा लेलक।

टूरक आठम दिन 24 सितम्बर। आइ ग्रुपक सदस्य मे सँ किछु लोक थोमस कूक के संग जोर्डनक यात्रा पर जाइत गेलाह, किछु अन्य अपन देश घुरबा लेल। सब कें मुदा लक्जर सँ काहिरा जेबाके छलनि। हमर मेम्फिस टूरक गाइड श्रीमान मेधात नासर गाड़ी लऽ कए पौने छओ बजे उपस्थित छलाह। हम नीचा आबि चेकआउट करा रिसेप्सन पर सँ अपन जलपानक पैकेट लऽ कए तैयारे छलहुँ। तुरत्ते विदा भेलहुँ डेन्डारा आ आबीदोस देखबा लेल।

एडफू मन्दिरक वर्णन मे अपने पढ़लियैक जे डेन्डारा मे होरसक पत्नी हाथोरक मन्दिर छलनि। साल मे दू बेर मिलन हेतु नाओ के जुलूस मे सवार भऽ कए दूनू नील नदी मे अबैत छलाह आ तखन देवी हाथोर पतिक संग एडफू आबि एक सप्ताहक लेल निवास करैत छलखिन। ओही डेन्डारा मन्दिर कें देखबा लेल हम चललहुँ।

करीब साढ़े सात बजे डेन्डारा पहुँचि गेलहुँ। गाइडक संग मन्दिर परिसर देखब शुरू कएल। एतए सबसँ बेसी आकर्षित करए बला अछि विशाल गोलाकार स्तम्भ, ओहि मे कएल चित्रकारी आ छत मे कएल गेल अद्भुत चित्रकारी। हजारो वर्षक अवधि मे छत मे कारी (काजर) के मोट परत लागि गेल छलैक जकरा बहुत किछु साफ कराओल गेलैक तखन ओकर सुन्दर चित्रकारी निखरि एलैक। छतक किछु छोट भाग एखनहु कारी छैक, एहि भाग मे सफाइ नहि कराओल गेलैक यात्री कें ई बुझेबा लेल जे साफ कएल आ बिना साफ कएल सतह मे कतेक अन्तर छैक। प्रायः बाइस सौ वर्ष पुरान एहि चित्र सब मे रंग तऽ बूझू मात्र उज्जर आ नील छैक मुदा ओ रंग कनियो मलिन नहि भेल छैक। एकर नयनाभिराम सुन्दरता बिना देखने कोना बुझबैक ?

ई मन्दिर परिसर बनब शुरू भेलैक तऽ बहुत प्राचीन काल मे, अंदाज अठारहम वंशक शासनक समय मुदा तैयार भेलैक ग्रीक आ रोमन शासनक समय मे। एतए देवी हाथोर कें चारि टा मुख छनि आ हुनक कान गायक कान जकाँ बनाओल गेल छैक। एतए छत मे बनल एकटा राशिचक्र, जकरा डेन्डारा राशिचक्र (Dendara Zodiac) कहल गेलैक, फ्रेंच लोकनि ओदारि कए लूव्र म्यूजियम लऽ गेलाह आ एकटा नकली चित्र लटका देलखिन।

डेन्डारा सँ जखन हम सब आबीदोस लेल विदा भेलहुँ तखन गाइड कहलनि जे हमरा सबहक संग पुलिसक गाड़ी रहत कारण जे रस्ताक करीब तीन चौथाइ भाग निर्जन मरुभूमि बाटें छलैक आ एहि रस्ता पर एकसर कोनो गाड़ी कें जाएब

वर्जित छलैक। एतेक तऽ बूझल छ्ल जे टूर कम्पनी कें अपन प्रोग्राम पुलिस कें पहिनहि सँ बता देबऽ पड़ैत छैक आ मेम्फिस टूर सेहो तहिना केलक मुदा मरुभूमि लेल पुलिस वैन संग रहत से नव अनुभव छल।

सड़क एतेक नीक जे सौ किलोमीटरक वेग सँ गाड़ी आराम सँ चलि सकैत छल। मुदा आब हमरो गाड़ी ओहि पुलिस वैनक गाड़ीक वेग सँ चलबा लेल बाध्य भऽ गेल। यदि ओ सब कतहु गपो करबा लेल रुकि जाथि तऽ हमरो सब कें रुकए पड़ैत छल। हमरा सबहिक यात्रा पैघ छल, रौद तिक्ख भेल जा रहल छलैक मुदा ताहि सँ ओहि पुलिस कें कोन मतलब ?

मरुभूमिक रस्ता शेष भेला पर पुलिसक गाड़ी हमरा सबहक संग छोड़ि देलक। आब फेर नील नदीक नहर आ नहरक दूनू कात बसल गाम घर, खेत खरिहान, शहर, बजार, स्कूल पोस्टऑफिस सब देखबा मे आबि रहल छल। हम सब करीब एगारह बजे आबीदोस पहुँचलहुँ।

हमरा एखनहुँ मन्दिरक खंडहर देखबा सँ कोनो विरक्ति नहि भेल छल। सब मन्दिरक अपन अलग इतिहास छैक। एहने खंडहर मे टूरिस्ट बौआइत छथि से मिस्त्र रहओ कि कम्बोदियाक अंगकोर वाट समूह। गाइडक संग परिसरक भ्रमण शुरू कएल।

आबीदोस मे देवता ओसाइरिसक मुख्य मंदिर छलैक। ओसाइरिस बहुत प्रभावी देवता छलखिन। एकर प्रसिद्धि एतेक छलैक जे सब मिस्त्रवासीक मनोरथ रहैत छलनि जिनगी मे कम सँ कम एक बेर आबीदोस जरूर घूमि आबी, बूझू वर्तमान मे इस्लाम धर्माबलम्बी लेल मक्का आ कि हमरा सबहिक लेल बाबा बैदनाथ आ गंगा स्नान। ई मंदिर तऽ वर्तमान मे ओतुका गामक नीचा गड़ल छैक। उपर मे जे बचल छैक से थिक फैरो सेती-1 के मंदिर। सेती-1 प्रतापी सम्राट रैमसेस-2 के पिता छलखिन।

एतए देवालक भित्तिचित्र कतेक सुन्दर छैक से हमरा लिखला सँ नहि देखले सँ बुझबैक। कएकटा चित्र मे सेती-1 अपन पुत्र रैमसेस-2 कें कोरा मे लेने छथिन। एहन एक चित्र मे बच्चा रैमसेस-2 के केसक गाँथल जुट्टीक कलाकारी बहुते महीन छैक। तहिना अनेक चित्रक रंग हजारो सालक बाद एको रत्ती मलिन नहि भेलैक अछि।

एक कमरा मे देवाल पर प्राचीन वंशक पूरे छिहत्तरि टा फैरोक वंशावलीक लिस्ट छैक कारतूस मे मूल हीलियोग्लिफ अक्षर मे लीखल। असल मे एहि मे तीन कतार मे अठतीस टा कए कारतूस बनल छैक। लिस्ट प्रथम वंशक पहिल फैरो नारमेर सँ शुरू होइत सेती-1 के पिता रैमसेस-1 तक चलैत छैक। नीचा बला कतार मे खाली सेती-1 के विभिन्न नामक चर्चा छैक। सातम आ आठम वंशक कतोक फैरोक नाम लेल इएह एकमात्र स्रोत छैक। मिस्त्रक पुरातात्विक इतिहास मे एहि लिस्टक महत्व रोजेटा स्टोनक समकक्षे बूझल जाइत छैक। मुदा एहि लिस्ट सँ रानी हेत्सेप्सुतक नाम गाएब अछि कारण ओहि समय कोनो महिला फैरो कें मान्यता नहि भेटलनि।

आबीदोस मे परिसर दू भाग मे बाँटल, दूनूक बीच प्रायः तीन-साढ़े तीन सौ मीटर दूरी। ई असली बलुआह मरुभूमिक रस्ता। परिसरक कात सघन बस्ती जतए गाड़ल अछि ओसाइरिसक मन्दिर। घेरा रहितहुँ ओहि भीतर मे गामक लोक कें प्रवेशक अधिकार छैक। देखल बच्चा सब स्कूल सँ घूरल अबैत भीतरे बाटे अपन घर जाइत। दोसर भाग मे

सम्राट रैमसेस-2 के विजय गाथा वर्णित अछि। जगहक नाम सब जतए ओ युद्ध जितलनि, देशक नाम सब जकरा ओ अपना देश मे मिलौलनि आदि सब अनेको कारतूस मे लीखल छैक।

टूर शेष भेलाक बाद बाहर आबि बगले मे एकटा रेस्तराँ मे गेलहुँ। मेम्फिस टूर एतहु हमरा लेल लंचक नीक इन्तजाम केने छल। ई रेस्तराँ एकटा पाँच सितारा होटलक भाग छलैक। आश्चर्य लागल जे एतेक दूर मे मात्र आबीदोस देखबा लेल कियो एतुका होटल मे रहत। गाइड बतौलनि जे कतेक विदेशी एतुका शान्त वातावरण मे रहि स्मारक सबहक अध्ययन करए चाहैत छथि जे कि लक्जर सँ आबि कए नहि हेतैक। बात तऽ ठीके, लक्जर सँ अबैए मे तीन घंटा लागि जेतैक सेहो यदि पुलिसक गाड़ी बदमासी नहि करैक।

सकारा टूर पर लंच मे भेटल सुच्चा स्थानीय भोजनक बाद आइ फेर तहिना सुच्चा स्थानीय भोजन खा रहल छलहुँ। शाकाहारी रहितहुँ भोजन स्वादिष्ट छलैक आ हमरा भरि इच्छा खेबा मे कोनो दिक्कत नहि भेल।

घुरती मे संयोग नीक छल जे टूरिस्ट पुलिसक चेकपोस्ट पर लक्जर जाइबला एकटा मिनिट्रक भेटि गेल। पुलिस आश्वस्त भेल, हमरा गाड़ी कें ओहि ट्रकक पाछू लगा देल गेल, माने ई दूटा गाड़ी आब संग रहला सँ मरुभूमिक रस्ता मे सफर कएल जा सकैत छल। बलिहारी कही एतेक सुन्दर सुरक्षा व्यवस्था आ सरकारी तंत्रक सजगता कें।

आश्चर्य ईहो लागल जे एतेक पैघ यात्रा मे ड्राइवर कि हमर टूर गाइड कतहु रस्ता मे चाह पीबा लेल नहि रुकलाह। सम्भवतः ई हिनका सबहिक व्यवहार मे नहि छनि। रस्ता मे कतेको गाम आ कि छोट शहर एबे केलैक मुदा रस्ता कात हम कोनो तेहन चाहक दोकानो कतहु नहि देखलियैक।

भोर सँ कुल एगारह घंटाक यात्रा कए हम पाँच बजे लक्जर घुमलहुँ। गाइड हमरा अपन होटल नेफरतीती पहुँचा देलनि। हम गाड़ी सँ अपन सामान निकालि हुनका दूनू कें यथोचित बक्सीस देल आ हुनका धन्यवाद दैत विदा लेलहुँ।

होटल नेफरतीती मे चेकइन केलहुँ। रूम रेन्ट तखनहि चुकता कएल। ओतहि चर्चा कएल जे हमरा सबेरे टैक्सी चाही एयरपोर्ट लेल। एक गोटे ठाढ़े छलाह बूझू एही काज लेल। चट दए ओ पूरा टाका एडभान्स लेलनि, रसीद देलनि आ आश्वस्त केलनि जे पाँच बजे टैक्सी ठाढ़ रहत। हम रिसेप्सनक व्यक्ति कें अनुरोध कएल जे हमरा जलपान पैक करबा देथि। ओ सब बात तऽ सुनिए रहल छलाह। होटल व्यवसाय मे एहि तरहक अनुरोध कोनो नव नहि, ओ सहर्ष स्वीकार केलनि।

मिस्त्रक एहि टूर मे हमरा चारिटा गाइड सँ काज पड़ल। मुदा मोहम्मद अब्दुल्लाक तुलना मे सब बहुत झूस। ईजिप्टोलॉजीक ज्ञानक चर्चा हम नहि करैत छी, ओ तऽ काज जोगर सब कें रहितहिं छैक मुदा भाषा आ संवादक लूरि जे अब्दुल्ला कें छलनि से नहि। ओहिना नहि ने ओ मिस्त्र अबै बला राजनयिक भीआइपी सब के गाइड बनैत छथि ?

अन्तिम रातिक हमर होटल दामगुण ठीके। 150 डॉलर सँ 25 डॉलर के तुलना कोना करबैक ? रूम छोट मुदा सब सुविधा, खाली पढ़बा लिखबाक टेबुल जे पाँच सितारा होटल मे एखन तक देखैत एलियैक से नहि छलैक। कोनो बात नहि, हमरा तऽ अन्तिम दिन मात्र रैनबसेरा चाही। रूम मे वाटर हीटरक संग चाहक पुड़िया, कॉफीक पाउच आ चीनी

छल, दूधक पुड़िया नहि। रिसेप्सन पर फोन केला पर एक गोटे भरि कप गरम दूध लेने आबि गेलाह। आब एहि सँ नीक की हेतैक ? हम ततेक ने थाकि गेल रही जे फेर रातुक भोजन लेल बाहर जेबाक इच्छा नहिए भेल। भोरका जलपानक डिब्बाक बचल सँडविच खा कए एक कप नीक चाह पीबि आराम करए लगलहुँ कारण भोरे पाँचे बजे टैक्सी बजौने छलियैक एयरपोर्ट जेबाक लेल।

मिस्त्र मे अन्तिम दिन 25 सितम्बर 2019। भोरे पाँच बजबा सँ किछु पहिनहि वेकअप कॉल आबि गेल। हम तऽ चाह पीबि कए तैयारे छलहुँ। नीचा गेलहुँ, टैक्सी ठाढ़ छल। जलपानक डिब्बा लेलहुँ आ टैक्सी मे सवार भेल मात्र दसे मिनट मे एयरपोर्ट पहुँचि गेलहुँ। काहिराक फ्लाइट एतए कने लेट भऽ गेलैक मुदा हमरा तकर कोनो चिन्ता नहि छल कारण काहिरा मे सात घंटा प्रतीक्षा करबाक छल। किंडलक संग प्रतीक्षाक समय कटि रहल छल।

काहिरा एयरपोर्ट पर भोजन आदि केलाक बाद हमरा लग नब्बे ईजिप्सियन पौंड बचि गेल छल। ओतहि पापीरस के पेंटिंग बला दोकान पर पाँच डॉलर दाम बला एकटा पेंटिंग चूनल आ दोकनदार कें नब्बे पौंड धरा देलियनि। ओ कहलनि जे विनिमय दरक हिसाबें पंचानबे पौंड हेबाक चाही मुदा फेर नब्बे राखि लेलनि। चलू ने रहल ईजिप्सियन मुद्रा ने फेर एकर विनिमयक झंझट। एहि प्रकारें मिस्त्र सँ विदा लेल, ईजिप्ट एयरक उड़ान सँ मुम्बइ आ फेर अगिला दिन 26 सितम्बर 2019 कें सकाले विस्तार एयरलाइन्सक उड़ान सँ कलकत्ता घुरि अएलहुँ।